दैनिक
# करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। गुरुवार 17 अप्रैल-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 117 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

## ईडी की चार्जशीट के खिलाफ
## कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

### पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में लिया

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट के बाद कांग्रेस केंद्र सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई के मूड में है। बुधवार को कांग्रेस पार्टी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने सड़क पर उतरेगी। संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी एक बयान में सरकार के इस कदम की कड़ी आलोचना की गई है। पार्टी इस कदम को लेकर कड़ा विरोध जताने के लिए देशभर में ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन करेगी।

**क्या है नेशनल हेराल्ड केस :** नेशनल हेराल्ड आजादी से पुराना अखबार है, लेकिन नेशनल हेराल्ड पर भ्रष्टाचार के आरोप साल 2012 में लगे थे। इसके खिलाफ सुब्रमण्यम स्वामी ने केस दर्ज कराया। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी याचिका में कहा था कि 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' ने सिर्फ 50 लाख रुपयों में 90 करोड़ रुपये वसूलने का उपाय निकाला जो

शेष, पृष्ठ 2

## पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद को मिला दूसरा पुलिस कमिश्नर
# आईपीएस जे रविंद्र गौड़ आज संभालेंगे चार्ज

**मंगलवार रात आई आईपीएस तबादला लिस्ट में बदले गए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर**

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** उत्तर प्रदेश में लंबे समय से प्रतीक्षारत चल रही आईपीएस अधिकारियों की तबादला लिस्ट मंगलवार को जारी की गई।

इस तबादला लिस्ट में 11 आईपीएस स्तर के अधिकारियों के जिले और कमिश्नरेट बदले गए हैं। जिसमें गाजियाबाद को दूसरे पुलिस कमिश्नर के रूप में आगरा पुलिस कमिश्नर आईपीएस अधिकारी आईजी जे रविंद्र गौड़ को गाजियाबाद का कमिश्नर बनाया गया है। वहीं गाजियाबाद के कमिश्नर अजय मिश्र को आईजी रेंज प्रयागराज भेजा गया है।

2005 बैच के आईपीएस अधिकारी जे रविंद्र गौड़ इससे पहले आगरा पुलिस कमिश्नरेट में कमिश्नर के पद पर कार्यरत रहे। इन्होंने यहां लगभग 15 महीने की पारी रही है। वह कमिश्नरेट सिस्टम आगरा के पहले सीपी भी बने। उनके तबादले हो जाने के बाद बताया जा रहा है

### पश्चिम से लेकर पूर्व तक का लंबा अनुभव रखते हैं आईपीएस जे रविंद्र गौड़

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में द्वितीय पुलिस कमिश्नर के रूप में कमान जे रविंद्र गौड़ को सौंपी गई है। वह एक गुड वर्किंग अधिकारी बताए जा रहे हैं। साथ ही वह पुलिस कमिश्नरेट आगरा को लगभग 15 महीने तक बेहतर ढंग से चला कर आए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी अब तक की लंबी नौकरी के दौरान वह पश्चिम से लेकर पूर्व के जिलों में एसएसपी, डीआईजी और आईजी व आईजी रेंज के पद पर तैनात रह चुके हैं। उन्हें फील्ड से लेकर ग्राउंड पुलिसिंग का लंबा अनुभव है। वह वर्ष 2005 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। बताया जा रहा है वह मुरादाबाद, गोरखपुर, मेरठ, आगरा, बरेली, अलीगढ़ सहित कई प्रमुख बड़े शहरों में अपनी पुलिस अधिकारी के रूप में सेवा दे चुके हैं।

कि वह गुरुवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में विधिवत रूप से चार्ज लेंगे और फिर पत्रकारों से भी रूबरू होंगे।

### बधाई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बुलंदशहर के एसएसपी श्लोक कुमार का मथुरा तबादला हो गया है। आईपीएस श्लोक कुमार को मथुरा का एसएसपी बनाया गया है। उन्होंने बुलंदशहर में एक शानदार पारी खेली। श्लोक कुमार गाजियाबाद में भी एसपी सिटी पद पर कार्यरत रहे हैं। दैनिक करंट क्राइम के संपादक मनोज गुप्ता ने आईपीएस श्लोक कुमार से मुलाकात की और मथुरा का एसएसपी बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी।

# कारोबारी ने पत्नी की हत्या कर खुद को मारी गोली

### सुसाइड नोट में लिखा कैंसर के इलाज के नहीं हैं पैसे, मृतक कुलदीप त्यागी के पिता थे रिटायर्ड दरोगा

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सिटी जोन अंतर्गत आने वाले नंदग्राम थानाक्षेत्र निवासी कुलदीप त्यागी रियल स्टेट का कारोबार करते थे। बुधवार को उन्होंने पहले लाइसेंसी रिवाल्वर से पत्नी की गोली मारकर हत्या की और फिर खुद भी गोली मारकर जान दे दी। पुलिस ने मृतक कुलदीप त्यागी जो की रियल एस्टेट के कारोबार से जुड़े हुए थे ,उसका सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में मृतक कुलदीप ने लिखा है कि मुझे कैंसर डिटेक्ट हुआ है, जिसमें काफी पैसा लगेगा, उसका खर्चा मैं नहीं दे पा रहा हूं। इस वजह से परेशान हूं, यहां मैंने शादी के बाद जीने मरने की कसमें खाई थी, उसे निभा रहा हूं इसलिए अपने साथ पत्नी को मारा और फिर खुद जान दे दी। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा का कहना है शुरूआती जांच में निकाल कर आया है कि मृतक कैंसर से पीड़ित था। इस वजह से परेशान था और उसने सुसाइड नोट में भी इसका जिक्र किया है। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। एक ही घर में दो हत्याएं होने की सूचना मिलने से आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिस मौके पर पहुंची तो मामले का खुलासा हो सका।

मृतक कुलदीप


मृतका अंशु

### लाइसेंसी रिवाल्वर से मारी पत्नी और खुद को गोली

करंट क्राइम : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुलदीप त्यागी अपनी पत्नी अंशु त्यागी और दो बच्चों के साथ रहते थे। बुधवार दोपहर के वक्त लाइसेंसी रिवाल्वर से पत्नी को गोली मार कर उसकी हत्या कर दी और फिर खुद गोली मारकर अपनी जान दे दी। कुलदीप त्यागी ने जो सुसाइड नोट लिखा है, उसमें कैंसर की बीमारी और अधिक खर्चा होने को वजह बताया है। इस मामले में पुलिस को मृतक का लिखा सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जो पुलिस ने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच के बाद हत्या और आत्महत्या के पीछे की वजह पुलिस साफ कर दी है।

### मृतक के घर लगा रहा परिजनों का तांता

करंट क्राइम : कुलदीप त्यागी ने पहले पत्नी अंशु की गोली मारकर हत्या की और फिर खुद गोली मारकर आत्महत्या कर ली। लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारी गई है। पुलिस की फोरेंसिक टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं कुलदीप त्यागी और उनकी पत्नी की हत्या की सूचना जैसे ही आसपास के लोगों को लगी तो बड़ी संख्या में आसपास के लोग और उनके परिजन मौके पर जमा हो गए। बताया जा रहा है जिस वक्त कुलदीप त्यागी ने पत्नी और खुद को गोली मारी उनके पिता नीचे के कमरे में मौजूद थे।

### मृतक ने लिखा मेरे जाने के बाद किसी को परेशान ना किया जाए

करंट क्राइम : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुलदीप ने सुसाइड नोट में लिखा मुझे कैंसर डिडक्ट हुआ है। जिसके इलाज में काफी पैसा लग रहा है, उसका खर्चा मैं नहीं दे पा रहा हूं। इस वजह से बहुत परेशान हूं। जैसा कि मैं शादी के वक्त साथ जीने मरने की कसम खाई थी, उसे निभा रहा हूं, इसलिए पहले अपनी पत्नी को मारा फिर खुद की जान दी। मेरे जाने के बाद किसी को परेशान ना किया जाए। यह सब कुछ अपनी मर्जी से कर रहा हूं। मेरे बच्चों और परिवार वाले बहुत अच्छे हैं।

# जीडीए ने शुरू की हरनंदीपुरम को स्मार्ट और सुरक्षित शहर के रूप में बसाने की तैयारी

### जीडीए ने डीपीआर के लिए कंसलटेंट चयन की प्रक्रिया जारी की

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित हरनंदीपुरम योजना को एक आधुनिक, स्मार्ट और सुरक्षित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम पहल की जा रही है। इस उद्देश्य से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु उपयुक्त कंसलटेंट के चयन की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है। इस संबंध में जारी निविदा के अंतर्गत बुधवार को तीन प्रमुख कंपनियों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सभी प्रतिभागी कंपनियों ने योजना के विभिन्न पहलुओं पर अपनी-अपनी रणनीति और दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें हरनंदीपुरम को एक हरित, सुलभ, सुरक्षित और आधुनिक टाउनशिप के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। उनके प्रस्तावों में ग्रीन

जोन का प्रतिशत, सुव्यवस्थित सड़क नेटवर्क, कॉमर्शियल बेल्ट, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट्स, ऊर्जा प्रबंधन तथा महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी गई।

गठित मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्तुतिकरण का आंकलन निम्नलिखित पाँच प्रमुख बिंदुओं पर किया जाएगाः 1. परियोजना की गहराई से समझ। 2. कार्य योजना और पद्धति । 3. अवधारणा प्रस्ताव, उत्पाद संयोजन एवं जोनिंग रणनीति। 4. प्रस्तावित आधारभूत संरचना सेवाएँ। 5. टाउनशिप में प्रस्तावित नवाचार। समिति द्वारा मूल्यांकन के उपरांत सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली फर्म को डीपीआर तैयार करने हेतु चयनित किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपाध्यक्ष अतुल वत्स, सचिव, वित्त नियंत्रक, मुख्य नगर नियोजक, मुख्य अभियंता तथा अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

हरनंदीपुरम योजना के सफल क्रियान्वयन के साथ गाजियाबाद को एक और आधुनिक और समृद्ध टाउनशिप मिलने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग एक दशक बाद नई योजना लाई जा रही है, इससे लोगो को रिहायशी घर, कॉमर्शियल दुकानों के साथ इंडस्ट्रियल भूखंड भी मिल सकेंगे। गाज़ियाबाद वर्तमान मे बहुत सारी आधुनिक ट्रांसपोर्ट सुविधाओ से कनेक्टेड है जैसे मेट्रो, आरआरटीएस, रोड नेटवर्क, एयर कॉनेक्विटी आदि, इससे लोग गाज़ियाबाद मे बसने का सपना देख रहे हैं जिसे सच करने के लिए अतुल वत्स के सफल नेतृत्व मे जीडीए प्रयासरत है।

# पब्लिक से सीधा संवाद और बेहतर पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं जे रविंदर गौड़

### मेरठ, लखनऊ, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर, बरेली जैसे प्रमुख शहरों में अलग-अलग जिम्मेदारी संभाल चुके हैं पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद

गौरव शशि नारायण

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** वैसे तो उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में आईपीएस अधिकारी है लेकिन आईजी स्तर के

**पब्लिक एडमिन में एमए की पढ़ाई किए हुए हैं गाजियाबाद के नए पुलिस कमिश्नर**

अधिकारी के तौर में अपनी वर्किंग से अलग पहचान बनाने वाले जे रविंद्र गौड़ पर पुलिस प्रमुख से लेकर मुख्यालय और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए, उन्हें दिल्ली से सटे और उत्तर प्रदेश के प्रमुख कमिश्नरेट गाजियाबाद में नए पुलिस कमिश्नर की जिम्मेदारी सौंपी है। मंगलवार की रात आई ट्रांसफर लिस्ट में उन्हें गाजियाबाद का पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। वह गुरुवार को गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में चार्ज संभालेंगे। वर्ष 2005 बैच के बेहद तेज तर्रार और सफल आईपीएस माने जाने वाले जे रविंद्र गौड़ का जन्म 1 दिसंबर 1973 को तेलंगाना राज्य में हुआ। इसके बाद उन्होंने पब्लिक एडमिन में एमए की पढ़ाई की। फिर आईपीएस बने और उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख शहरों में एसएसपी, डीआईजी और आईजी व आईजी रेंज के पद पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली है। वह लगभग 15 महीने तक आगरा पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस कमिश्नर के रूप में तैनात रहे। फील्ड पर काम करने का उनके पास अच्छा खासा अनुभव है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर रेंज में भी जिम्मेदारी संभाली हुई है।

### पब्लिक से करते हैं सीधा संवाद और सोशल मीडिया पर रखते हैं नजर

करंट क्राइम : आगरा में तैनात पुलिसकर्मियों से मिली जो जानकारी के अनुसार गाजियाबाद के नए पुलिस कमिश्नर पब्लिक से सीधा संवाद रखते हैं। आगरा, गोरखपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, मेरठ और बरेली की नौकरी के दौरान कई बार वह सीधे किसी पार्क, स्टेडियम या आम पब्लिक के बीच पहुंच जाते थे। पुलिसकर्मियों की वर्किंग और फीडबैक को लेते थे और फिर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने के साथ ही उन्हें सबक भी सीखने का काम करते हैं। आगरा में लगभग 15 महीने की लंबी पारी खेलने के दौरान वहां अपराधियों से आगरा पुलिस का सीधा आमना सामना हुआ है। तो कई बड़े गैंग जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बड़े अपराध में शामिल हैं, उनका सफाया करने का काम भी जे रविंदर गौड़ व उनकी टीम द्वारा किया गया है। वहीं पुलिस के सूत्रों से जानकारी मिली है कि वह सोशल मीडिया पर भी नजर रखते हैं और नियम तोड़ने वालों को सबक सिखाने के लिए कार्रवाई भी करवाते हैं।

### मुरादाबाद में कॉरपोरेट लुक थाने और पुलिस वर्किंग में लाए थे सुधार

करंट क्राइम: 2005 बैच के सीनियर आईपीएस अधिकारी और पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कमिश्नर की जिम्मेदारी संभालने वाले आईजी स्तर के अधिकारी जे रविंदर गौड़ मुरादाबाद में पुलिस के थानों को कॉरपोरेट लुक में बनवाने का काम करके चर्चा में आए थे। इसके साथ ही वह आगरा में भी कई नए थानों के उद्घाटन में शामिल रहे हैं। वह पुलिसकर्मियों के साथ समय-समय पर मीटिंग और बैठकर करते हैं ताकि उन्हें वर्किंग के दौरान आने वाली परेशानियों का पता चले और उनका समाधान किया जा सके।

### सीएम योगी की वर्किंग लिस्ट में टॉप पर रहे हैं जे रविंदर गौड़

करंट क्राइम : आईपीएस जे रविंदर गौड़ आगरा से पहले गोरखपुर रेंज के आईजी रह चुके हैं। वह मुख्यमंत्री के गृह जनपद में अपनी सेवाएं देने के दौरान कई बार चुनौती पूर्ण हालातों के बावजूद संयम और अनुभव के आधार पर काम लेने में सफल रहे हैं। खुद मुख्यमंत्री ने उन्हें गोरखपुर से आगरा पुलिस कमिश्नर बना कर नहीं जिम्मेदारी सौंपी थी। जो बताता है कि वह बेहतर वर्किंग वाले अधिकारी हैं। तभी खुद सूबे के सीएम उनपर भरोसा जताते हैं, इसलिए उनको गाजियाबाद जैसे प्रमुख पुलिस कमिश्नरेट की कमान सौंपी गई है।

### पुलिसकर्मियों के साथ करते हैं लंबी मीटिंग

करंट क्राइम : आईपीएस अधिकारी और आईजी जे रविंदर गौड़ के लिए कहा जाता है कि वह पुलिस के अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ लंबी मीटिंग करते हैं। उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश देते हैं, साथ ही किसी भी बड़े घटनाक्रम और क्राइम होने पर वह खुद भी अपनी टीम और नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए घटना के खुलासे के लिए प्रयास करते हैं। इसके साथ ही पुलिस के सूत्रों से जानकारी मिली है कि आगरा, गोरखपुर और अलीगढ़, मेरठ की पोस्टिंग के दौरान उनके साथ काम करने वाले अधिकारी बताते हैं कि वह काम करने वाले अधिकारियों की हमेशा प्रशंसा करते हैं और उनको अपनी टीम का हिस्सा भी बना कर रखते हैं।

### गाजियाबाद के नए पुलिस कमिश्नर सादे कपड़ों में निकल पड़ते हैं चेकिंग और जांच पर

करंट क्राइम : आईपीएस अधिकारी और गाजियाबाद के नव नियुक्त द्वितीय पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ के बारे में जानकारी मिली है कि वह सादे वस्त्रों में कई बार पुलिस के अधिकारियों के साथ होने वाली मीटिंग में पहुंच जाते हैं तो चेकिंग एवं किसी मामले की जांच पड़ताल के लिए भी वह सादे कपड़ों में फील्ड पर आ जाते हैं। कई बार पुलिस के अधिकारी उन्हें इस अंदाज में पहचान नहीं पाते हैं, तो वह इसको लेकर चर्चा में भी बने रहते हैं।

# वक्फ कानून धार्मिक मामलों में दखल...

## सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने रखी दलील

**नई दिल्ली:** वक्फ कानून में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई सभी याचिकाओं पर दो बजे सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने मामले में सुनवाई की। इस दौरान वक्फ से संबंधित सभी मामले नहीं सुने गए। मामले की सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि यह कानून धार्मिक मामलों में दखल देता है। साथ ही यह बुनियादी जरूरतों का अतिक्रमण करता है। सिब्बल ने इस मामले में अनुच्छेद 26 का हवाला दिया। इसे पहले कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा था कि आपके तर्क क्या हैं?

चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल से कहा कि समय कम है। इसलिए आप याचिका की मुख्य मुख्य और बड़ी बातें बताएं। सिब्बल ने कहा कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल 1995 के अनुसार, सभी सदस्य मुस्लिम थे। मेरे पास एक चार्ट है। चार्ट में दिख रहा है कि हिंदू या सिख धर्मार्थ संस्थानों में, सदस्य हिंदू या सिख ही होते हैं। ये नियम का सीधा उल्लंघन है। उनके अनुसार, ये 20 करोड़ लोगों के अधिकारों का संसदीय अतिक्रमण है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने दूसरे प्रावधान को देखने को कहा। उन्होंने कहा कि क्या इसका मतलब है कि पूर्व-अधिकारी को छोड़कर सिर्फ दो सदस्य ही मुस्लिम होंगे? सिब्बल ने नियम र.9 की तरफ ध्यान दिलाया, उन्होंने कहा कि कुल 22 सदस्य होंगे, जिनमें से 10 मुस्लिम होंगे। वहीं जस्टिस विश्वनाथन का कहना है कि प्रॉपर्टी को धर्म के साथ नहीं मिलाना चाहिए। प्रॉपर्टी का मामला अलग हो सकता है। सिर्फ प्रॉपर्टी का मैनेजमेंट धार्मिक मामलों में आ सकता है। बार-बार ये कहना ठीक नहीं है कि ये जरूरी धार्मिक काम है।

सिब्बल ने कहा कि पहले कोई रोक-टोक नहीं थी। बहुत सी वक्फ संपत्तियों पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। सीजेआई ने कहा कि लिमिटेशन एक्ट के अपने फायदे हैं। सिब्बल ने एक अलग बात कही। उन्होंने कहा कि कानून कहता है कि मुझे 2 साल के अंदर दावा करना होगा। कई संपत्तियां तो रजिस्टर्ड भी नहीं हैं, तो मैं कैसे दावा करूं? सीजेआई खन्ना ने कहा, ₹आप यह नहीं कह सकते कि अगर आप लिमिटेशन पीरियड लगाते हैं, तो यह असंवैधानिक होगा।₹ इसका मतलब है, समय सीमा लगाना गलत नहीं है। सिब्बल का कहना है कि इस नियम से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने वालों को फायदा होगा। वे अब प्रतिकूल कब्जे का दावा कर सकते हैं। यानी, वे कह सकते हैं कि वे लंबे समय से उस संपत्ति पर कब्जा किए हुए हैं, इसलिए अब वह उनकी हो जानी चाहिए। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश अदालत में नहीं रहे। इसलिए, अदालत नंबर 8 में जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच के लिए सूचीबद्ध मामले अब जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने सुनी। वक्फ कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस संबंध में 73 याचिकाएं दायर की गई हैं।

AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, RJD सांसद मनोज कुमार झा और TMC सांसद महुआ मोइत्रा जैसे कई लोगों ने याचिका दायर की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद भी याचिकाकताओं में शामिल हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, वाईएसआरसी पार्टी और समस्ता केरल जमीअतुल उलेमा ने भी याचिका दायर की है।

### कानून पर लग चुकी है राष्ट्रपति की मुहर

बता दें कि संसद के दोनों सदनों से बजट सत्र में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल चुकी है। इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम भी बदलकर यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (उम्मीद) अधिनियम, 1995 हो गया है।

### सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर

इस मामले में केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की है। याचिका में केंद्र ने कोर्ट से अपील की है कि वह इस मामले में कोई भी आदेश पारित करने से पहले केंद्र सरकार की दलील भी सुने। केंद्र सरकार का कहना है कि अदालत को बिना सुनवाई के कोई एकतरफा आदेश पारित नहीं करना चाहिए। केंद्र सरकार ने कैविएट याचिका में स्पष्ट किया है कि उसे इस महत्वपूर्ण मामले में अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए, ताकि अदालत द्वारा कोई भी निर्णय पारित करते समय केंद्र की दलील भी शामिल हो सकें।

# लैंड डील मामले में रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने की पूछताछ

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को बुधवार को लगातार दूसरे दिन ईडी ने पूछताछ के लिए तलब किया है। हरियाणा के शिकोहपुर लैंड डील मामले में उनसे आज फिर पूछताछ होगी। इससे पहले वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट की है।

रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट कर कहा कि मेरे जन्मदिन के सप्ताह की सेवा कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है। मैंने बुजुर्गों को भोजन कराने और विभिन्न क्षेत्रों के सभी बच्चों को उपहार देने की जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें मैं तब तक जारी रखूंगा जब तक कि सरकार मुझे अच्छे काम करने और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण व्यवहार के बारे में बोलने से नहीं रोकती, या फिर अगर मेरे राजनीति में आने की इच्छाएं और बातें भी होती हैं।

वाड्रा ने कहा कि लोगों की इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने से मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं यहां किसी भी तरह के अन्यायपूर्ण दबाव के लिए तैयार हूं। मैं सत्य में विश्वास करता हूं और सत्य की जीत होगी।

इससे पहले मंगलवार को ईडी ने वाड्रा से छह घंटे तक पूछताछ की थी। पीएमएलए के तहत उनका बयान दर्ज किया गया था। वाड्रा ने मंगलवार को कहा था कि ईडी की इस कार्रवाई को यह राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए कहा था कि जब भी मैं अल्पसंख्यकों की आवाज उठाता हूं, मुझे निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा था कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और वह पहले भी जांच में सहयोग करते रहे हैं।

उन्होंने कहा था कि मैं जब लोगों के हित में बोलता हूं तो मुझे दबाया जाता है। ये संसद में राहुल की आवाज दबाते हैं और यहां मेरी। जब भी मैं लोगों की आवाज उठाता हूं, मुझे दबाया जाता है। यह पूछे जाने पर कि इस मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। क्या वह इसके लिए तैयार हैं? इस पर वाड्रा ने कहा कि मैं हर चीज के लिए तैयार हूं।

वाड्रा ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप पर कहा था कि बीस साल से इन्हें कुछ नहीं मिला है। अगर मनी लॉन्ड्रिंग हुई है तो प्रूफ करो।

# ईडी की चार्जशीट के खिलाफ कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन, पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में लिया

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट के बाद कांग्रेस केंद्र सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई के मूड में है। बुधवार को कांग्रेस पार्टी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने सड़क पर उतरेगी। संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी एक बयान में सरकार के इस कदम की कड़ी आलोचना की गई है। पार्टी इस कदम को लेकर कड़ा विरोध जताने के लिए देशभर में ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन करेगी।

**क्या है नेशनल हेराल्ड केस, जिसमें ईडी ने राहुल-सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट ;** नेशनल हेराल्ड आजादी से पुराना अखबार है, लेकिन नेशनल हेराल्ड पर भ्रष्टाचार के आरोप साल 2012 में लगे थे। इसके खिलाफ सुब्रमण्यम स्वामी ने केस दर्ज कराया। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी याचिका में कहा था कि 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' ने सिर्फ 50 लाख रुपयों में 90 करोड़ रुपये वसूलने का उपाय निकाला जो 'नियमों के खिलाफ' है।

**ये झूठा मामला... कांग्रेस नेता अशोक गहलोत का बयान :** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई पर कहा, देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया है...ये (भाजपा) बार-बार लोकतंत्र की हत्या करने के काम करते हैं। ये बहुत खतरनाक है। ईडी पहले भी जांच कर चुकी है। क्लीन चिट भी मिल चुकी है। अब फिर से मामला शुरू कर दिया। ये झूठा मामला है, इसमें कोई दम नहीं है।

**विपक्ष को कुचलना चाहती है बीजेपी... कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का निशाना :** कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा, जिस एजेंसी के माध्यम से लड़ाई को कोर्ट में लाया गया है, उसका एकमात्र उद्देश्य विपक्ष को परेशान करना है। गुजरात में एक सम्मेलन होता है, राहुल गांधी मोडासा पहुंचते हैं और यहां चार्जशीट दाखिल की जाती है। आप क्रोनोलॉजी समझ सकते हैं। भाजपा, आगामी बिहार चुनाव, गुजरात में कांग्रेस पार्टी की सक्रियता, आगामी असम चुनाव में संभावित हार, 400 पार के नारे के बाद 240 पर अटकने के कारण विपक्ष को पूरी तरह से कुचलना चाहती है... लेकिन भाजपा भूल जाती है कि यह गांधी परिवार है जिसने देश के लिए इतनी कुर्बानियां दी हैं...

**राज्यों के ईडी दफ्तरों के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन :** पार्टी ने बुधवार को सभी प्रदेश कांग्रेस कमिटियों को राज्यों के ईडी हेडक्वॉर्टर के सामने विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। सभी राज्यों में कांग्रेस के सीनियर नेता, विधायक, सांसद, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकताओं को मिलकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर विरोध जताने को कहा गया है।

## मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज में देसी बम फटने से 2 बच्चे घायल

**मुर्शिदाबाद।** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज इलाके में एक देसी बम फटने से 2 बच्चे घायल हो गए। बच्चे एक मैदान में खेल रहे थे जहाँ यह बम पड़ा हुआ था। उन्होंने इसे गेंद समझ कर उठा लिया। उसी बीच इसमें विस्फोट हो गया, जिससे उन्हें चोटें आई।

एक खबर के अनुसार घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया गया है कि बम उसी इलाके में खुले में पड़ा हुआ था, जो हाल ही में वक्फ विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस्लामी कट्टरपंथी हिंसा के चलते प्रभावित हुए थे। पुलिस अब इस मामले की जाँच कर रही है।

गौरतलब है कि शुक्रवार (11 अप्रैल, 2025) को वक्फ विरोधी प्रदर्शन के दौरान इस्लामी कट्टरपंथी भीड़ हिंसक हो गई थी।

उसने मुर्शिदाबाद में हिन्दुओं के घर-दुकान जला दिए थे। 2 हिन्दुओं की हत्या भी कर दी गई थी। इसके चलते बड़ी संख्या में लोग पलायन कर चुके हैं।

# पश्चिम बंगाल: 'बीजेपी यहां ध्रुवीकरण करना चाहती है', सीएम ममता बनर्जी

**कोलकाता:** बंगाल में वक्फ बिल को लेकर हुई हिंसा के बाद ममता बनर्जी बीजेपी के निशाने पर आ गई है। अब ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। मौलानाओं के मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हिंदुस्तान को बदल नहीं सकते हैं। हम हिंदू-मुसलमान नहीं होने देंगे। पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा कि बीजेपी बंगाल में ध्रुवीकरण कर रही है। विवादित बयान देते हुए उन्होंने कहा कि हर साल मैं नमाज पढ़ती हूं। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने कहा कि हर साल मैं ईद पर नमाज पढ़ने रेड रोड पर जाती हूं।

**सभा में क्या बोलीं ममता बनर्जी :** कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में मौलवी और मौलाना की सभा में ममता बनर्जी ने कहा कि हम सर्वधर्म समभाव में विश्वास करते हैं। मैं रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद में विश्वास करती हूं। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि बीजेपी के बयानबाजी से उत्तेजित होकर बंगाल में अशांति पैदा नहीं करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरका को कितने युवाओं को नौकरी मिली है? दवाओं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की गई है, लेकिन कुछ 'मीडिया' केवल बंगाल के खिलाफ बोलते हैं। अगर आपको कुछ कहना है, तो मेरे सामने आकर कहें, मेरे पीछे नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की फंडिंग से चलने वाले कुछ मीडिया चैनल बंगाल के फर्जी वीडियो दिखाते हैं। उन्होंने कर्नाटक, यूपी, बिहार और राजस्थान के 8 वीडियो दिखाए और बंगाल को बदनाम करने की कोशिश की।

**हिंसा में टीएमसी नहीं शामिल :** पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विपक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि टीएमसी वक्फ हिंसा में शामिल थी। एक कड़े बयान में उन्होंने तर्क दिया कि अगर उनकी पार्टी जिम्मेदार होती, तो टीएमसी नेताओं के घरों को निशाना नहीं बनाया जाता। ममता ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार हमेशा वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ खड़ी रही है और मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शांति का आह्वान किया और विपक्ष पर गलत सूचना के जरिए विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया।

# बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा शुरू करेगा वक्फ जागरूकता अभियान

**लखनऊ:** भाजपा अल्पसंख्यकों को ही आगे करके नए वक्फ कानून के फायदे गिनवाएगी। इसके लिए प्रदेश में वक्फ 19 अप्रैल से वक्फ सुधार जनजागरण अभियान शुरू करने जा रही है। पार्टी बताएगी कि कैसे नए कानून से गरीबों का भला होगा। खासकर, पसमांदा मुसलमानों को समझाएगी कि सबसे ज्यादा भला उनका ही होने वाला है।

**चार सदस्यों की कमिटी :** कई मुस्लिम संगठन और विपक्षी दल नए वक्फ कानून का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह मुसलमानों के खिलाफ है। वहीं, भाजपा इस कानून के फायदे गिनवाने के लिए अभियान चलाने जा रही है। इसे 'वक्फ सुधार जनजागरण अभियान' नाम दिया गया है। अभियान के संचालन के लिए चार सदस्यों की कमिटी बना दी गई है। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंबक त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली और यूपी बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश कुमार शामिल हैं।

**प्रदेश स्तरीय कार्यशाला 19 को :** अभियान की शुरूआत 19 अप्रैल से होगी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इसके लिए प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला की शुरूआत सीएम योगी करेंगे। इसमें अभियान के राष्ट्रीय संयोजक राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह सहित सभी प्रमुख पदाधिकारी और अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी शामिल होंगे। इसके बाद जिलों में कार्यशाला होंगी।

**ऐसे गिनाएंगे फायदे :** अभियान के लिए वक्फ कानून से जुड़े पर्चे भी छपवाए गए हैं। साथ ही वक्फ कानून की एक सॉफ्ट कॉपी भी मोबाइल के जरिए सभी को दी जाएगी। इससे भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता लोगों को वक्फ कानून के फायदे गिना सकें। लोगों के बीच जाकर वे समझाएंगे कि अभी तक वक्फ की संपत्तियों का फायदा पांच प्रतिशत प्रभावशाली मुसलमान ही ले रहे थे। इस कानून के बाद इन संपत्तियों का इस्तेमाल सभी धर्मों के गरीबों के लिए मकान, अस्पताल और स्कूल बनवाने के लिए हो सकेगा। खासकर पसमांदा मुसलमानों को इसका सबसे ज्यादा फायदा होगा।

**क्यों पड़ी अभियान की जरूरत? :** वक्फ कानून जब से लागू हुआ है, तब से लगातार विपक्षी दल और कुछ मुस्लिम संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। इससे पहले सीएए-एनआरसी को लेकर भी काफी विरोध हुआ था। भाजपा की कोशिश है कि वक्फ कानून को लेकर भी विरोध उस स्तर तक न पहुंच पाए। सरकार और पार्टी जनता के बीच जाकर अपना पक्ष रखेगी तो लोग उसको समझेंगे। इससे विरोध के स्वर कुछ धीमे होंगे। साथ ही पार्टी और सरकार के पक्ष में एक माहौल बनेगा। यही वजह है कि इस अभियान के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा को सक्रिय भागेदारी निभाने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे अल्पसंख्यकों के एक बड़े तबके को विरोध करने वालों से अलग किया जा सकेगा।

# छत्तीसगढ़ में 2 खूंखार नक्सली ढेर दोनों पर था 13 लाख रुपये का इनाम

**छत्तीसगढ़ ।** छत्तीसगढ़ में कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा पर किलम-बुरगुम के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद मुठभेड़ स्थल से दो खूंखार नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

मारे गए नक्सलियों की पहचान बस्तर ईस्ट डिवीजन के खूंखार माओवादी कमांडर डीवीसीएम हलदर (8 लाख का इनाम) और एसीएम रामे (5 लाख का इनाम) के रूप में हुई।

सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एके-47 राइफल, एक अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सलियों का दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया है। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। बस्तर रेंज के आईजी पी. सुंदरराज ने इस सफल ऑपरेशन की पुष्टि की है।

कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा से सटे किलम-बुरगुम के जंगलों में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर कोंडागांव डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम मंगलवार (15 अप्रैल) को माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। शाम को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ स्थल से दो नक्सली कैडरों के शव बरामद हुए।

# द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

### खाली कराया गया पूरा परिसर

**नई दिल्ली।** दिल्ली के द्वारका कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार सुबह द्वारका अदालत में बम की धमकी मिलने के बाद उसे खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

उन्होंने बताया कि सुबह करीब 10.45 बजे पीसीआर को कॉल मिली। जिसमें बताया गया कि द्वारका कोर्ट को बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। अधिकारी ने बताया कि ईमेल मंगलवार देर रात मिला और कोर्ट अधिकारियों ने बुधवार सुबह पुलिस को इसकी सूचना दी।

बम की धमकी की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। उन्होंने तुरंत पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया। और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। हालांकि, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

जानकारी के मुताबिक, द्वारका कोर्ट में बुधवार सुबह बम की धमकी मिली। जिसके बाद न्यायिक कार्यवाही रोक दी गई और न्यायालय कक्ष खाली करा दिए गए। मंगलवार देर रात धमकी मिलने के बाद न्यायाधीश न्यायालय कक्ष से चले गए और सुरक्षाकर्मियों ने पक्षकारों और वकीलों को बाहर जाने को कहा। बार के सदस्यों ने वकीलों और पक्षकारों से शांत रहने और न घबराने की अपील की।

# प्राइवेट स्कूल कर रहे हैं प्रताड़ित, छात्रों ने न्यायाधीश से लगाई गुहार

**नई दिल्ली।** बढ़ी फीस न भर पाने पर स्कूल में प्रताड़ना झेल रहे पांच छात्रों ने दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश को पत्र लिखा है। अदालत ने इस मुद्दे पर स्थानीय जिलाधिकारी और शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों को वीसी के जरिए उपस्थित होकर जवाब देने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने इस मामले में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) द्वारका के खिलाफ दायर शिकायत पर जिलाधिकारी व दिल्ली शिक्षा निदेशालय को पांच मई को जवाब देने को कहा है।

अदालत को छात्रों द्वारा पत्र लिखे जाने पर न्यायमूर्ति ने मौखिक तौर पर बच्चों से पहले बात करने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन अभिभावकों द्वारा कोर्टरूप में उपस्थित होने और आश्वासन के बाद अदालत ने बच्चों को बुलाने से पहले संबंधित विभाग व अधिकारी को अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए।

अभिभावकों ने अदालत को बताया कि बच्चे इस समय स्कूल के बुरे बर्ताव का सामना कर रहे हैं। उन्हें लाइब्रेरी में बैठाया जा रहा है। पीठ ने अभिभावकों को सुनने के बाद संबंधित जिले के जिलाधिकारी व शिक्षा निदेशालय को इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखने को कहा है।

**50 फीसदी फीस जमा कर छात्रों को कक्षा में बैठाएं :** एक अन्य स्कूल की फीस वृद्धि से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने नौ छात्रों के अभिभावकों को बढ़ी फीस की 50 फीसदी रकम जमा कराने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने छात्रों के अभिभावकों के अधिवक्ता खगेश बी झा की दलीलें सुनने के बाद आदेश दिया कि स्कूल बच्चों को तत्काल कक्षा में बैठने की अनुमति दे, ताकि उनकी शिक्षा प्रभावित न हो। न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने फीस बढ़ोतरी के मुद्दे पर एपीजे स्कूल, शेख सराय को कहा कि वह बढ़ी फीस न भर पाने के कारण स्कूल से निकाले गए सात छात्रों को तत्काल कक्षा में बैठने की इजाजत दें।

### जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया

पीठ ने इस मामले में शिक्षा निदेशालय से पूछा कि वह बताएं बगैर निदेशालय की अनुमति के क्या स्कूल फीस बढ़ाने का अधिकारी है। इस पर निदेशालय के वकील ने जवाब के लिए समय मांगा। इस पर पीठ ने निदेशालय को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है।

### खोया-पाया

मेरे प्लाट न. B-1/98,फ्लैट न. S-2,MIG, बैक साइड,सेकंड फ्लोर,DLF दिलशाद एक्स-2,भोपुरा,साहिबाबाद,गाजियाबाद की रजिस्ट्री जो 2012 मे हुई थी,2 महीने पहले कही खो गयी है।
छवि तूरेहा पत्नी अक्कू,नि-प्लाट न. B-1/98/एस-2,ओल्ड अग्रवाल स्वीट,MIG, DLF दिलशाद एक्स-2,भोपुरा,गाजियाबाद

दैनिक
# करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। गुरुवार 17 अप्रैल -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

# पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र के तबादले के बाद विधायक ने तोड़ा व्रत

## सहारनपुर में कथा आयोजन के मंच पर फटा कुर्ता उतारकर पहना नया कुर्ता

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** आखिरकार पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र का तबादला हो गया। उनके तबादले को लेकर भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मोर्चा खोला और कई लेटर लिखे। हालांकि किसी भी अधिकारी का तबादला एक रुटीन प्रक्रिया है और मार्च-अप्रैल का महीना तबादलों का ही महीना माना जाता है और वैसे भी अजय मिश्र ने पुलिस कमिश्नर के रूप में यहां एक लंबी पारी खेली, लेकिन बुधवार को जैसे ही पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र के तबादले की सूचना आई, वैसे ही लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के आवास पर समर्थक ढोल लेकर पहुंच गए और उन्होंने इस तबादले को विधायक की जीत बताया।

गौरतलब है कि पुलिस आयुक्त के साथ सबसे बड़ा मोर्चा विधायक नंदकिशोर गुर्जर का ही खुला और फिर ये हुआ कि जो शुरूआत गनर वापस लेने के साथ हुई थी और फिर ये हुआ कि उसमें ई-रिक्शा पर रोक पुलिस आयुक्त ने लगाई और ई-रिक्शा वालों के समर्थक में विधायक नंदकिशोर गुर्जर आ गए। साप्ताहिक पैठ बाजार पर पुलिस कमिश्नर ने रोक लगाने के आदेश दिये और पैठ बाजार के समर्थन में विधायक नंदकिशोर गुर्जर आ गए और इस

तरह से इस कहानी का क्लाइमेक्स तब आ गया जब लोनी में कथा को लेकर कलश यात्रा निकल रही थी और यहां अनुमति को लेकर विधायक और पुलिस के बीच नोंकझोंक हो गई और यहां पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर का कुर्ता फट गया और इसके बाद तो विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने फटे कुर्ते के साथ मोर्चा खोल दिया।

उन्होंने एक के बाद एक कई आरोप लगाए। हालांकि इससे पहले वो पुलिस आयुक्त के खिलाफ पांच लैटर लिख चुके थे। खुद मुख्यमंत्री से मिल चुके थे और कलश यात्रा वाले विवाद के बाद से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने संकल्प लिया था वो फटा कुर्ता नहीं बदलेंगे, नंगे पैर रहेंगे और अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। ये मामला बढ़ रहा था और इसी बीच गुर्जर बिरादरी की महापंचायत हो गई। दिल्ली कूच का ऐलान हो गया। मामले में नया मोड़ तब आया जब पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने महापंचायत को लेकर ट्वीट किया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर से ये अनुरोध किया कि वो दिल्ली नहीं जाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करें। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भी यहां पर कह दिया कि उन्हें समाज से बात करनी होगी, क्योंकि ये समाज का फैसला है और फिर विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने एक प्रैसवार्ता की।

इस प्रैसवार्ता के एक सप्ताह बाद पुलिस आयुक्त अजय मिश्र का तबादला हो गया। दो साल से पुलिस आयुक्त अजय मिश्र गाजियाबाद में तैनात थे और जब बुधवार को तबादले की सूचना आई तो लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के आवास पर ढोल-नगाड़े बजने शुरू हो गए। समर्थकों का हुजूम उनके आवास पर पहुंच गया।

ये एक संदेश देने की कोशिश थी कि आखिरकार विधायक जी की जीत हुई है, वो तबादला कराने में सफल रहे हैं और फिर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने सहारनपुर में एक कथा आयोजन में कथा व्यास के करकमलों से नया कुर्ता पहन लिया।

### मंत्रोच्चारण के बाद पहनाया गया विधायक नंदकिशोर गुर्जर को नया कुर्ता

**करंट क्राइम।** लोनी के निरगपुर गांव में श्रीराम कथा के आयोजन में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर पहुंचे थे। यहां मंत्रोच्चारण के बाद उन्हें नया कुर्ता पहनाया गया। कथा व्यास पीठ ने कहा कि कवच रूप में यह कुर्ता कार्य करेगा और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देगा। इस मौके पर वहां मौजूद हिंदू संगठनों, 36 बिरादरी के बुद्धिजीवियों और संघ के पदाधिकारियों ने कुर्ते को हाथ लगाकर पहनाया। इस अवसर पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि जिम्मेदारी का भार पहले से ज्यादा बढ़ा है। जीवन का हर क्षण राष्ट्र निर्माण, हिंदुत्व, सोशित और जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित रहेगा।

### राष्ट्रीय गुर्जर महासभा ने दिया पगड़ी पहनाकर विधायक नंदकिशोर गुर्जर को आशीर्वाद

**करंट क्राइम।** विधायक नंदकिशोर गुर्जर को राष्ट्रीय गुर्जर महासभा ने आशीर्वाद दिया। राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रविन्द्र सिंह, राष्ट्रीय वीर गुर्जर सेना के अध्यक्ष चौधरी सोनू गुर्जर और सर्वसमाज ने पगड़ी पहनाकर विधायक नंदकिशोर गुर्जर का स्वागत किया और स्नेह से कुर्ता पहनाकर बुराइयों के खिलाफ और मजबूती से लड़ाई लड़ने का आशीर्वाद दिया।

### विधायक नंदकिशोर गुर्जर के आवास पर पहुंचे सभी समाज के लोग और जताई खुशी

**करंट क्राइम।** विधायक के गनोली आवास पर गाजियाबाद भाजपा जिलाध्यक्ष चैन पाल चौधरी, 36 बिरादरी, हिन्दू संगठनों, राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं प्रवेश दत्त भारद्वाज, जाटव महासभा मेहर चंद, क्षत्रिय महासभा बृजपाल राघव, जाट महासभा ओमपाल राठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष रतन सिंह भाटी, स्कूल असोसिएशन राजकुमार चौधरी, अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रदीप गहलोत वाल्मीकि, भारतीय किसान यूनियन अजगर राष्ट्रीय अध्यक्ष पं सचिन शर्मा, दर्जनों ग्राम प्रधान, सभासद गण, व अन्य समेत लोगों के जनसैलाब ने पहुंचकर विधायक नंदकिशोर गुर्जर से संकल्प पूरा होने पर कुर्ता पहनने का अनुरोध किया था, और कमिश्नर को हटाएं जाने पर खुशी जताते हुए इसे श्रीरामभक्तों की जीत बताया था।

# वक्फ अधिनियम को लेकर मुस्लिम बस्तियों में पहुंच रही है भाजपा

## गिनाएगी अधिनियम के फायदे और पूछेगी, कांग्रेस ने मुस्लिमों को क्या दिया

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** भाजपा की ये खूबी है कि वो अपने हर कानून को लेकर जनता के बीच आती है। ये उसकी सियासी रणनीति का भी हिस्सा है। जो कानून वो संसद में पास करवा चुकी है, उस कानून पर वह जनसहमति की मोहर लगवाना चाहती है। भाजपा अपनी नई रणनीति में अब देश के मुस्लिमों को ये यकीन दिलाना चाहती है कि वो उनके हितों की संरक्षक है। भाजपा यहां कांग्रेस पर फिर से दोषारोपण कर रही है और इस बार वो वक्फ अधिनियम संशोधन को लेकर जनता के बीच आ रही है। भाजपा ने इसके लिये पूरी तैयारी की है और वो अब एक देशव्यापी अभियान चलाने जा रही है। वो मुस्लिम बस्तियों में पहुंचेगी और ये समझाने की रणनीति के साथ पहुंचेगी कि वक्फ के संशोधित कानून से मुस्लिमों को क्या लाभ हुआ है। इसमें वो जहां अधिनियम के फैसले के फायदे समझाएगी वहीं कांग्रेस को भी घेरेगी। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि यह अभियान

आज से शुरू हो रहा है और गाजियाबाद में भी हम मुस्लिम बस्तियों में जाएंगे, मुस्लिमों के घर जाएंगे। दस दिन तक चलने वाले इस अभियान के तीन संयोजक बनाए गए हैं। इस अभियान में अमित रंजन, डॉ. नदीम कुरैशी और पूर्व पार्षद ललित कश्यप को संयोजक बनाया गया है। इस अभियान में गरीब और वंचित मुसलमानों की आवाज उठाई जाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि गरीब और वंचित मुसलमानों को धोखा दिया। उनके शैक्षिक और सामाजिक उद्धार के लिये कुछ नहीं किया।

### मुस्लिम बस्तियों में होगी गोष्ठी और 30 अप्रैल तक चलेगा अभियान : मयंक गोयल

**करंट क्राइम।** भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने बताया कि वक्फ बोर्ड के संशोधित कानून को लेकर जहां तीन संयोजक बनाए गए हैं। वहीं इसका पूरा कार्यक्रम आ गया है। मुस्लिम बस्तियों मे भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे। यह अभियान पूर्ण रूप से 20 अप्रैल से शुरू होगा और 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अभियान में मुस्लिम बस्तियों में गोष्ठि का आयोजन किया जाएगा। वक्फ बोर्ड अधिनियम की पूरी जानकारी दी जाएगी। मुस्लिम बस्तियों में कार्यशाला का आयोजन होगा और यहां खासतौर से यह बताया जाएगा कि कांग्रेस ने देश के मुसलमानों के साथ धोखा किया है।

### अटल जन्म शताब्दी पर होंगे कई कार्यक्रम आयोजित

**करंट क्राइम।** वक्फ बोर्ड के बाद भाजपा देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर कई कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। 25 अप्रैल से यह कार्यक्रम शुरू होंगे। इस कार्यक्रम श्रृंखला को अटल विरासत का नाम दिया गया है। जन्म शताब्दी पर कार्यक्रमों की श्रृंखला में कवि सम्मेलनों का आयोजन होगा। गोष्ठियों का आयोजन होगा और अटल बिहारी के जीवन पर प्रकाश डालती प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। अटल विरासत के नाम से जन्म शताब्दी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसके अलावा वन-नेशन-वन इलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन भी भाजपा करेगी। इसका संयोजक सरदार एसपी सिंह को बनाया गया है।

# 29 करोड़ रुपये से दूर होगा गाजियाबाद में अंधेरा

## नगर निगम ने बना लिया है साल 2025-26 का पूरा प्लान

**गाजियाबाद, करंट क्राइम :** नगर निगम गाजियाबाद ने वर्ष 2025-26 के लिए बीते दिनों बजट पास किया था। जिसमें 3722 करोड़ रुपए खर्च करते हुए गाजियाबाद को विकास के पथ पर अग्रसर करने का प्लान बनाया गया है। वहीं नगर निगम गाजियाबाद के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम गाजियाबाद द्वारा प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने, ब्लैक स्पॉट खत्म करने और प्रमुख स्थानों से लेकर कॉलोनी और अंधेरे वाले स्थानों पर रोशनी करने के लिए लगभग 29 करोड़ रुपए खर्च करने का प्लान बनाया गया है। इसमें बड़ी संख्या में हाई मास्ट लाइट और सड़कों पर लगने वाली इमरजेंसी लाइट को लगाने का प्लान बनाया गया है। बताया जा रहा है कि शहर के ब्लैक स्पॉट खत्म करने के लिए लगातार नगर निगम के पास पत्र आ रहे थे, जिनका संज्ञान लेते हुए इस बार नगर निगम ने अपना बजट बढ़ाया है।

### प्रमुख चौराहों से लेकर कॉलोनी में भी दूर किए जाएंगे ब्लैक स्पॉट

### ब्लैक स्पॉट भी होंगे कम

**करंट क्राइम :** नगर निगम गाजियाबाद का प्लान है कि शहर में पिछले साल 23 नए ब्लैक स्पॉट होने की पुलिस, परिवहन और अन्य विभागों द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसका संज्ञान लेते हुए इन सभी 23 स्थानों को ब्लैक स्पॉट से हटाकर यहां नई आधुनिक लाइटों को लगाकर प्रकाश व्यवस्था करने का प्लान बनाया जा रहा है ताकि शहर गाजियाबाद ज्यादा जगमग नजर आए।

### प्रमुख बाजारों और चौराहों पर लगेगी बड़ी लाइटें

**करंट क्राइम :** नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जानकारी दी है कि शहर को रोशन करने के लिए प्रकाश विभाग द्वारा इस बार 29 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया गया है ताकि जगह-जगह प्रमुख बाजारों और इलाकों में बड़ी लाइटें लगाई जा सकें। जिससे लोगों को रात के समय अंधेरा ना महसूस हो। साथ ही अंधेरा कम रहेगा, तो सड़क हादसों, अपराध और अन्य परेशानियों में भी कमी आती है। उन्होंने बताया है कि वित्तीय वर्ष के लिए सभी काम शुरू कर दिए गए हैं। वहीं आने वाले दिनों में कई प्रमुख स्थानों पर बड़ी लाइटें लगवाई जाएगी ताकि अंधेरे को दूर किया जा सके।

# विधायक संजीव शर्मा ने दिखाया बड़ा दिल, करा रहे हैं वहां का विकास, जहां से मिले थे बहुत कम वोट

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** राजनीति में आमतौर पर एक चलन हो गया है कि हर जनप्रतिनिधि जीतने के बाद बूथ रिपोर्ट जरूर मंगाता है। वो ये देखता है कि उन्हें किन क्षेत्रों से वोट मिले हैं और किन क्षेत्रों से वोट नहीं मिले हैं। इसके बाद आमतौर ये होता है कि कोई भी व्यक्ति जनप्रतिनिधि के बाद विकास का कोई प्रस्ताव लेकर जाता है तो जनप्रतिनिधि यह उलाहना देने से नहीं चूकता कि वहां से तो मुझे वोट ही नहीं मिले। कई बार तो ये होता है कि उस क्षेत्र का विकास ही पिछड़ जाता है, लेकिन राजनीति का एक दूसरा तरीका भी है और वो तरीका सबका-साथ, सबका विकास का है। कुछ जनप्रतिनिधि ऐसे भी होते हैं जो ये मानकर चलते हैं कि जनप्रतिनिधि जनता के होते हैं और वो बड़े दिल के साथ राजनीति करते हैं।

संजीव शर्मा एक ऐसे ही जनप्रतिनिधि हैं। जो सबको साथ लेकर चलना जानते हैं और उन्होंने इस बात को साबित भी कर दिया। अध्यक्ष रहते हुए वो सभी कार्यकताओं को साथ लेकर चले और अब जब वो जनप्रतिनिधि हैं तो वो क्षेत्र में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विकास पर फोकस कर रहे हैं, जनता पर फोकस कर रहे हैं और उन्होंने एक तरह से ये भी संदेश दिया है कि जहां से वोट नहीं मिले, वहां एक बार प्रयास तो करो, वहां विकास तो करों और अपनेपन की बहार अपने आप आ जाएगी। संजीव शर्मा शहर विधायक के रूप में अपनी विधानसभा में उन क्षेत्रों पर भी फोकस कर रहे हैं, जहां से उन्हें वोट नहीं मिले, लेकिन सबका साथ-सबका विकास और इसी सिद्धांत पर चलते हुए संजीव शर्मा ने सिद्धार्थ विहार की काशीराम आवासीय योजना में खस्ताहाल सड़क का निर्माण कराने का फैसला किया है। यहां पर संजीव शर्मा अपनी विधायक निधि से सड़क का निर्माण कराएंगे। बड़ी बात ये है कि सिद्धार्थ विहार की काशीराम योजना में संजीव शर्मा को कोई खास वोट नहीं मिले थे। ये इलाका बसपा समर्थित इलाका माना जाता है। यहां बसपा को वोट मिलता है, लेकिन शहर विधायक संजीव शर्मा ने विकास के पैमाने में इस क्षेत्र को भी शामिल किया है और राजनीति में एक सकारात्मक संदेश दिया है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में ये कहा भी कि जनप्रतिनिधि सबका होता है। उसके लिये सब समान होते हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरे क्षेत्र का विकास कराएंगे। जिन क्षेत्रों ने वोट नहीं दिया हम वहां भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक नीतियों का संदेश लेकर जाएंगे। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे और ये बताएंगे कि भाजपा सरकार सबका-साथ, सबका विकास की नीति पर काम करती है। हमारे लिये वसुधैव कुटुंबकम की भावना सर्वोपरि है। विकास का अधिकार प्रत्येक नागरिक का है और हम द्वेष भाव के साथ कभी राजनीति नहीं करते। उन्होंने कहा कि अभी हम अन्य क्षेत्रों में भी जाएंगे और विकास कराएंगे।

### लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के करकमलों से हुआ सड़क का शिलान्यास

**(करंट क्राइम)।** शहर विधायक संजीव शर्मा विकास के हर कदम पर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का आभार व्यक्त करना नहीं भूलते। ये उनका एक अंदाज है और सब इसकी वजह भी जानते हैं। 30 लाख की सड़क का शिलान्यास भी शहर विधायक संजीव शर्मा ने स्वयं नहीं किया। सिद्धार्थ विहार की काशीराम योजना में 30 लाख की लागत से सड़क का निर्माण होगा। शहर विधायक संजीव शर्मा ने शिलान्यास के लिये नारियल लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के हाथों में थमाया और उन्हीं से शिलान्यास कराया। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने सड़क निर्माण का शिलान्यास करते हुए नारियल फोड़ा। इस तरह से अब काशीराम आवासीय योजना में सड़क निर्माण होगा।

### दलित बस्तियों पर कर रहे हैं संजीव शर्मा फोकस

**(करंट क्राइम)।** संजीव शर्मा ने विकास की पहल उस बस्ती से की जहां से उन्हें वोट नहीं मिले। वो काशीराम आवासीय योजना में 30 लाख की सड़क का उपहार लेकर पहुंचे। उन्होंने संदेश दिया कि हम कोई द्वेषभाव नहीं रखते। हम सबका साथ, सबका विकास में विश्वास रखते हैं। संजीव शर्मा के अगर प्रोग्राम कैलेंडर पर नजर डालें तो वो केवल एक वर्ग की राजनीति नहीं कर रहे हैं। उन्होंने दलित बस्तियों में विकास के विजन पर काम करना शुरू किया है। वो यहां एक्टिव हैं। डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती पर उन्होंने एक या दो नहीं बल्कि 11 कार्यक्रमों में भाग लेकर ये बता दिया है कि वो राजनीति में एक नई सोच के साथ आ रहे हैं।

# विधायक संजीव शर्मा का किया पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने आभार व्यक्त

## कहा मेरा मुख्यमंत्री से भी रहेगा अनुरोध प्रशासन को दें इस संबंध में स्पष्ट निर्देश

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने जीडीए की संभावित आवासीय योजना हरनन्दीपुरम का नाम पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने के लिए पत्र लिखा। शहर विधायक संजीव शर्मा इस पत्र के समर्थन में आगे आये और उन्होंने कहा वह विधानसभा में इस आवाज को उठायेंगे। पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने इस मुद्दे पर मुखर रूप से समर्थन करने के लिए शहर विधायक संजीव शर्मा का आभार जताया। बालेश्वर त्यागी खुद जनप्रतिनिधि रहे हैं, वो उत्तर प्रदेश सरकार में गृह राज्यमंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री और व्यापार कर मंत्री रहे हैं। भाजपा की राजनीति के कद्दावर चेहरे के रूप में ईमानदार चेहरे के रूप में पहचान है। यह भी उनके एक बड़े दिल की और राजनीतिक शिष्टाचार की पहचान है कि उन्होंने आगे आकर समर्थन के लिए शहर विधायक संजीव शर्मा का आभार व्यक्त किया। बालेश्वर त्यागी ने अपनी बात कहते हुए कहा कि मैं माननीय विधायक संजीव शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने जनभावनाओं के अनुरूप

भाजपा के शिखर पुरुष भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियां को स्थाई बनाने के लिए नए बसने वाले नगर का नाम अटल नगर रखने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया है। मैं जानता हूं कि भाजपा के बहुत से कार्यकर्ताओं की हार्दिक अभिलाषा है कि अपने महापुरुषों के नाम से भी अन्य महापुरुषों की तरह से नगर का नामकरण हो। मैनें तो केवल उस भावना को वाणी दी है।

भाजपा के कार्यकर्ताओं को लगता है कि भाजपा शासन में भी भाजपा के शिखर पुरुषों को वह सम्मान नहीं मिलता जिसके वे हकदार हैं। मैनें तो अपने मंत्रित्व काल में कार्यकतोओं की भावनाओं के अनुरूप श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क का निर्माण कराया और दीनदयाल उपाध्याय नाम से दीनदयाल उपाध्याय सभागार का निर्माण प्रारंभ कराया। दुर्भाग्य से उसके निर्माण में बड़ा समय लगा लेकिन अब वह सभागार साकार खड़ा है। अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व तो इतना विराट है, इसलिए उनके नाम का विरोध तो विपक्ष के नेता भी नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में ये समझ नहीं आ रहा कि अफसरों को अटल जी के नाम से कोई नाराजगी है या भाजपा शासन से कुछ असहज स्थिति है।

मैं माननीय मुख्य मंत्री से भी अनुरोध करूंगा कि वे प्रशासन को स्पष्ट निर्देश जारी कर अटल जी की स्मृति को स्थाई बनाने के लिए उनके नाम से नगर का नामकरण कराएं। मैं सभी माननीय जनप्रतिनिधियों, व भाजपा संगठन के पदाधिकारियों से भी अनुरोध करूंगा कि वे भी सरकार को अटल जी के नाम से नगर का नामकरण करने के लिए अपना अनुरोध करें।

## संपादकीय

# प्रत्यर्पण की मुश्किलें

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद यह दूसरी बड़ी सफलता है, लेकिन चोकसी को भारत लाना आसान नहीं होगा। पंजाब नैशनल बैंक के साथ 13,500 करोड़ रुपये का लोन घोटाला करने के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक दबदबे का सबूत है। मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद हाल में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। हालांकि राणा की तरह चोकसी को भारत लाने की राह इतनी आसान नहीं होगी।

असफल प्रयास मेहुल और उसके भांजे नीरव मोदी ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों और अंदर तक फैले भ्रष्टाचार का फायदा उठाकर इतना बड़ा घोटाला किया और जब तक इसका पता चलता, सुरक्षा एजेंसियां उन तक पहुंचतीं, दोनों देश छोड़कर भाग चुके थे। जनवरी 2018 में उनके फरार होने से लेकर अभी तक -7 साल और करीब 4 महीने के दरम्यान दोनों को लेकर अलग-अलग खबरें आती रहीं। इस दौरान प्रत्यर्पण के कई प्रयास हुए, और अब भी चल रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है।

डोमिनिका में गलती मेहुल और उसके वकीलों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का अपने हिसाब से खूब दुरुपयोग किया है। मई 2021 में जब वह डोमिनिका में गिरफ्तार हुआ, तब भारतीय एजेंसियां उसे वापस लाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं। लेकिन, उस समय भी उसने कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाया। तब उसकी तरफ से कहा गया था कि वह एंटीगुआ का नागरिक है और चूंकि एंटीगुआ व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए उसे नई दिल्ली के हवाले नहीं किया जा सकता। उसका यह भी आरोप था कि भारतीय एजेंसियों के इशारे पर उसे एंटीगुआ से अगवा करके डोमिनिका लाया गया। इन्हीं पेच ने उसे बचा लिया था।

सावधानी बरतनी होगी बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन डोमिनिका में जो हुआ, वह एक बार फिर भारत के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकता है। तब चोकसी के आरोपों ने भारत के पक्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर किया था। यहां तक कि बाद में इंटरपोल ने अपना रेड कॉर्नर नोटिस भी वापस ले लिया था।

भरोसा दिलाना होगा प्रत्यर्पण को लेकर यूरोपीय देशों का रवैया बेहद सख्त है। जब तक उन्हें तसल्ली न हो जाए कि आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलेगा, तब तक वे किसी को प्रत्यर्पित नहीं करते। मेहुल चोकसी के मामले में बेल्जियम को भरोसा दिलाना होगा कि उसका किया घोटाला बेहद गंभीर है, और उसे भारतीय कानूनों के अनुसार सजा जरूर मिलनी चाहिए। भारत को बेल्जियम के साथ अपने रिश्ते के प्रभाव का इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकना चाहिए।

# क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े नियामकीय ढांचे की मांग करने वाली याचिका खारिज

## अदालत ने दिया यह तर्क

**नई दिल्ली।** क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा नियामक बनाने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी देश भर में कई शिकायतें दर्ज की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्रिप्टोकरेंसी पर नियामक ढांचे की मांग वाली याचिका पर बुधवार को विचार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा है कि वह इस संबंध में कानून नहीं बना सकता क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या आभासी मुद्रा है जो क्रिप्टोग्राफी का इस्तेमाल कर सुरक्षित बनाई जाती है। इससे जालसाजी करना या दोबारा खर्च करना लगभग असंभव हो जाता है। क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए विकेन्द्रीकृत नेटवर्क पर मौजूद हैं। यह कंप्यूटरों के एक असमान नेटवर्क पर संचालित और वितरित किया जाता जाता है।

क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा नियामक बनाने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी देश भर में कई शिकायतें दर्ज की गई हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मुद्दे पर नियामक ढांचे के लिए केंद्र और अन्य को निर्देश देने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि इसे विनियमित करने के लिए कोई कानून नहीं है।

न्यायमूर्ति गवई ने पूछा, यह नीति निमार्ताओं के अधिकार क्षेत्र में है। हम ऐसा कोई निर्देश कैसे जारी कर सकते हैं? हम कानून नहीं बना सकते। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मुद्दे पर भारत सरकार के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं।

वकील ने तर्क दिया कि कई याचिकाकताओं ने विभिन्न पुलिस प्राधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन इस मुद्दे पर कोई नियामकीय नीति मौजूद नहीं है। पीठ ने कहा, याचिका में की गई प्रार्थनाएं विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में हैं। इसलिए, हम याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

पीठ ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहें तो वे उचित प्राधिकारी के समक्ष विचार के लिए अपना अभ्यावेदन दे सकते हैं। पिछले साल जनवरी में, केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया था कि क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने और संबंधित अपराधों की प्रभावी जांच करने के लिए तंत्र पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। शीर्ष अदालत ने विभिन्न राज्यों में कथित क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी से जुड़े मामले के एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

# शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग, सेंसेक्स 309 अंक चढ़ा

## निफ्टी 23450 के करीब पहुंचा

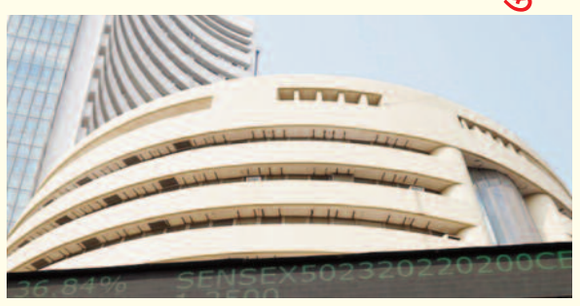

**नई दिल्ली।** हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 309.40 (0.40%) अंक चढ़कर 77,044.29 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 108.65 (0.47%) अंक उछलकर 23,437.20 पर पहुंच गया।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर क्लोजिंग हुई। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरूआती झटकों से उबरते हुए आखिर में हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 309.40 (0.40%) अंक चढ़कर 77,044.29 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 108.65 (0.47%) अंक उछलकर 23,437.20 पर पहुंच गया।

इससे पहले शुरूआती कारोबार के दौरान शुरूआती दौर में सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 165.3 अंक गिरकर 76,569.59 अंक पर खुला, जबकि निफ्टी 51.55 अंक गिरकर 23,277 अंक पर आ गया। हालांकि, यह गिरावट ज्यादा देर नहीं टिकी और जल्दी ही सूचकांक हरे निशान पर लौट आए। दिनभर के कारोबार के दौरान कई बार बेंचमार्क सूचकांक हरे और लाल निशान के बीच झूलते नजर आए।

# अमेरिका लगातार चौथे साल भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर

**नई दिल्ली।** अमेरिका लगातार चौथे साल वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। हालांकि, इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, 2024-25 में भारत का चीन से आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटे में 17 फीसदी की बढ़ोतरी चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में यह आंकड़ा 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के दोतरफा कारोबार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। 2023-24 में दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

# वित्तीय खुफिया इकाई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर की कार्रवाई

## 37 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया

**नई दिल्ली।** वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू-आईएनडी) ने 15 अप्रैल के अपने आदेश में वर्ष 2011 से 2014 के दौरान संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्टिंग में पाई गई विसंगतियों के लिए 37 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने 2011-2014 के लिए संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्टिंग में विसंगतियों के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर कार्रवाई की है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पर 37 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। बुधवार को नियामकीय फाइलिंग में यूनियन बैंक बताया कि उसने ऐसी गैर-अनुपालन की पुनरावृत्ति से बचने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) ने 15 अप्रैल के अपने आदेश में वर्ष 2011 से 2014 के दौरान संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्टिंग में पाई गई विसंगतियों के लिए 37 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यूनियन बैंक के शेयर बीएसई पर पिछली क्लोजिंग से 1.88 प्रतिशत बढ़कर 124.70 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

## रोचक तथ्यों का करंट

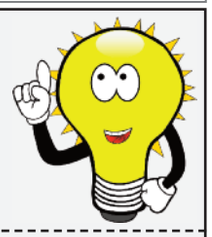

- दो केलों में 90 मिनट तक कड़े व्यायाम करने के लिए ऊर्जा होती है। केले को खुशी देने वाला फल भी कहा जाता है।
- जो लोग जल्दी शरमा जाते हैं वे अधिक दयालु और विश्वसनीय होते हैं।
- आप जिनसे प्यार करते हैं उनके बगल में सोने से न केवल अवसाद में कमी आती है बल्कि आपकी उम्र भी बढती है। आपको नींद जल्दी आती है और आप गहरी नींद में सोते हैं।
- हमारे दिमाग में अच्छी यादों से ज्यादा बुरी यादों को याद रखने की क्षमता होती है।
- बाएं हाथ से काम करने वाले लोग दांए हाथ से काम करने वाले लोगों की तुलना में कम्प्यूटर गेम्स और खेलों में ज्यादा तेजी से काम करते हैं।
- सिर्फ एक घंटे तक भी अगर हेडफोन का इस्तेमाल कर लिया जाए तो आपके कानों में बैक्टीरिया 700 गुना ज्यादा बढ जाते हैं।
- अगर आप मदद के लिए पुकार रहे हैं तो कुछ लोगों को खासतौर पर चुनिए जैसे आप जिन्होंने लाल शर्ट पहनी है। इससे उन लोगों को जिम्मेदारी का एहसास होगा और आपको मदद मिलने की संभावना बढ जाएगी।
- आपकी लंबाई साधारण तौर पर आपके पिता पर जाती है जबकि दिमागी क्षमता, भावनात्मक मजबूती और शरीर की बनावट मम्मी पर।
- काम करते समय खुद से बातचीत करने से ध्यान भटकना कम होता है।
- 30 से 35 मिनट की पढ़ाई के बाद 10 मिनट का ब्रेक लेने से पढ़ा हुआ याद रखने का सबसे कारगर तरीका है।

# घरों की बिक्री में 19 फीसदी की भारी गिरावट महंगाई ने मारा घर खरीदने का सपना

**नई दिल्ली।** अक्तूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही में भी पूरे देश में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई थी। इस समय अवधि में दीपावली और नवरात्रि-दशहरा जैसे त्योहारी सीजन होने के बाद भी घरों की बिक्री में 26 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। पूरे देश में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। देश के आठ सबसे बड़े शहरों में घरों की बिक्री और नए घरों की लांचिंग में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इसे वैश्विक बाजार में रोजगार के अवसरों को लेकर लोगों की अनिश्चितता का परिणाम बताया गया है। महंगे होम लोन के कारण भी निवेशक घर खरीद से पीछे हटने के लिए मजबूर हुए हैं। इसके पहले की तिमाही अक्तूबर-दिसंबर 2024 में भी घरों की बिक्री में 26 फीसदी और नए घरों की लांचिंग में 33 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

## राशिफल

**मेष:** घर में अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहजनक सूचना प्राप्त होगी। मान बढ़ेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

**वृष:** नवीन वस्त्राभूषण के लिए व्यय होगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य सहज ही होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शत्रु परास्त होंगे।

**मिथुन:** अप्रत्याशित खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें।

**कर्क:** यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**सिंह:** नई योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। नए अनुबंध हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

**कन्या:** तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। देवदर्शन के लिए यात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

**तुला:** स्वास्थ्य खराब हो सकता है। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

**वृश्चिक:** किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

**धनु:** संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे।

**मकर:** कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

**कुंभ:** भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। बेरोजगारी दूर होगी। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे।

**मीन:** विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय अनुकूल लाभ देगा।

## चुटकुले

लड़की - फूलवाले भैया, कितने का दिया ये गुलाब?
फूलवाला - 50 रुपये का एक गुलाब!
लड़की - इतना महंगा कैसे?
फूलवाला - माय लाइफ, माय रुल्स, माय रेट, माय फूल्स...!!!

---

पता नहीं वो कौन से लड़के होते हैं
जिनके सपनों में राजकुमारियां आती हैं...
मेरे सपने में तो मैं कभी मर जाता हूं या
दूसरों को मार देता हूं...!!!

---

किसी ने क्या खूब कहा है...
धूप पड़ी जब हीर पर,
पिघल गया श्रृंगार...
और रांझा उसको छोड़कर
भाग गया हरिद्वार...!!!

## 17 04 2025 करंट क्राइम

### सेलेब्रिटी जन्मदिन

### जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

# आज के जन्मदिन

विक्रम (अभिनेता)

एटी राघव

सुनीता सोनी

विनय अग्रवाल

संजय त्यागी

प्रतीक शर्मा

जय कसाना

दिनेश नागर

देवेंद्र तौमर

मनोज गर्ग

रितेश शर्मा

राकेश कुमार

अंकित शर्मा

अर्नव वशिष्ठ

तरुण प्रजापति

मनोज गर्ग

सचिन चौधरी

अमित चंदैला गनोली

अकबर अली

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

---

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

**करंट क्राइम**
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

# वनडे में दो बॉल नियम में होगा बदलाव, आईसीसी मीटिंग में रखा गया प्रस्ताव, टेस्ट में 60 सेकेंड स्टॉप क्लॉक हो सकता है लागू

**नई दिल्ली।** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल वनडे में दो बॉल के नियम में बदलाव पर विचार कर रही है। इस सप्ताह जिम्बाब्वे के हरारे में हुई बैठक में क्रिकेट कमेटी ने पारी के 35वें ओवर से केवल एक बॉल का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही टेस्ट में 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक भी लागू हो सकता है।

मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस नियम के शुरूआत की सिफारिश की है। इसके मुताबिक प्रत्येक पारी की शुरूआत दो नई गेंदों से होगी, जैसा कि अभी होता है। लेकिन बॉलिंग करने वाली टीम को 34वें ओवर के बाद यह फैसला लेना होगा कि वे किस बॉल से खेलना चाहती हैं।

### पहले 25 ओवर में बॉल बदलने की सिफारिश की थी

कमेटी ने मीटिंग में पहले 25 ओवर के बाद गेंद बदलने पर विचार किया था। लेकिन इसे कई मेंबर्स से समर्थन नहीं मिला। उनका कहना था कि, 17 ओवर तक बॉल का इस्तेमाल करने के बाद ही यह तय करना ज्यादा सही होगा कि कौन सी गेंद का इस्तेमाल जारी रखा जाए। बोर्ड इस महीने की आखिर में इस पर अपना फैसला सुना सकती है। अक्टूबर 2011 से वनडे में दो नई बॉल का नियम लागू है। अभी वनडे में दो नई बॉल का दोनों साइड से इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका मिलता है। आईसीसी के एक सदस्य ने न्यूज एजेंसी को बताया, कमेटी ने तीन नियमों में बदलाव करने के बारे में सोचा है। वनडे क्रिकेट में एक बॉल का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए क्लॉक टाइमर और अंडर 19 मेंस वर्ल्ड कप को 50 ओवर से टी20 में बदलना।

कमेटी ने अंडर-19 मेंस वर्ल्ड कप, जो अभी 50 ओवर फॉर्मेट में खेला जाता है। उसे टी20 में बदलने के बारे में सोचा है। लेकिन इस पर अभी कन्फर्मेशन नहीं मिली है।

### टेस्ट क्रिकेट में भी 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक

बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में 60 सेकेंड के स्टॉप क्लॉक पर भी विचार किया है। स्लो ओवर रेट से निपटने के लिए 2024 से इस नियम को टी20 और वनडे में लागू किया गया है। ऐसे में इसे टेस्ट फॉर्मेट में भी लाया जा सकता है।

टाइमर क्लॉक नियम में ओवरों के बीच 60 सेकेंड का समय दिया जाता है। इसके बीच में ही आपको दूसरा ओवर शुरू करना होता है। अगर कोई टीम निर्धारित समय से अपने ओवर पूरा नहीं करती तो उसे 30-यॉर्ड सर्कल में एक एक्स्ट्रा फील्डर लाना होता है।

# निशानेबाजी विश्व कप में 18 साल की सुरुचि ने मनु भाकर को हराकर जीता स्वर्ण, 1.3 अंक का रहा अंतर

**नई दिल्ली।** युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोना अपने नाम किया। वहीं, पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीता। दोनों ने इस प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। इससे पहले स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

**सुरुचि ने मनु भाकर को हराया**

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता।

### सौरभ ने जीता था कांस्य

सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने बुधवार को हर एक रंग का एक पदक जीत। सौरभ ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया था। लीम विश्व कप में फिलहाल भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके बाद चीन का नंबर आता है, जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालिफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि मनु भाकर ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही। इससे पहले सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप के दौरान सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था। तब सौरभ और सुरुचि ने हमवतन मनु भाकर और रविंदर सिंह को 16-8 से हराया था और कांस्य पदक जीता था। सुरुचि और सौरभ ने 581 स्कोर किया, जबकि मनु और रविंदर का स्कोर 579 रहा था।

# सौरभ चौधरी का जलवा बरकरार, लीमा निशानेबाजी विश्व कप में भारत के लिए पहला पदक जीता

**नई दिल्ली।** भारत के स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने मंगलवार को लीमा में साल के दूसरे आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत का खाता खोला।

चीन के हू काई ने 246.4 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ 0.1 अंक कम था। ब्राजील के ओलंपिक पदक विजेता फेलिप अल्मेडा वू ने रजत पदक जीता। एशियाई खेलों (2018) और युवा ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता सौरभ ने लास पालमास निशानेबाजी परिसर में 22वें शॉट के बाद 219.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

इससे पहले सौरभ और वरुण तोमर ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। इसमें सौरभ ने क्वालिफिकेशन में 578 के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया था, जबकि वरुण ने 576 के साथ आठवां स्थान हासिल किया था। वरुण फाइनल में दबाव में पिछड़ कर पदक से चूक गए।

इससे पहले एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन सौरभ ने सुरूचि के साथ मिलकर ब्यूनस आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हमवतन मनु भाकर और रविंदर सिंह को 16-8 से हराकर कांस्य पदक जीता था। सौरभ ने चारों निशानेबाजों में सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 12वीं सीरिज में 10.7 स्कोर किया। इससे पहले भारतीय जोड़ियां दो चीनी जोड़ियों के बाद तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। सुरूचि और सौरभ ने 581 स्कोर किया, जबकि मनु और रविंदर का स्कोर 579 रहा।

# पंजाब ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती, फाइनल में मध्य प्रदेश को हराया

**पंजाब।** पंजाब ने हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-ए के फाइनल में मंगलवार को मध्य प्रदेश को 4-1 से हरा दिया और चैंपियनशिप अपने नाम की। उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जुगराज सिंह (30वें, 49वें मिनट) ने फाइनल मैच में दो गोल किए जबकि जसकरन सिंह (38वें) और मनिंदर सिंह (46वें) पंजाब के लिए अन्य गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य प्रदेश के लिए प्रताप लाकड़ा (28वें) ने एकमात्र गोल किया। तीसरे-चौथे स्थान के मैच में कुशवाह सौरभ आनंद (29वें, 49वें), शारदा नंद तिवारी (35वें), दीप अतुल (48वें) और शिवम आनंद (60वें) ने उत्तर प्रदेश के लिए गोल किए। मोइरांगथेम रबीचंद्रन सिंह (45वें मिनट) ने मणिपुर के लिए सांत्वना गोल किया।

# दिल्ली के लिए ये खिलाड़ी साबित हो सकता है ट्रंप कार्ड

**राजस्थान के खिलाफ केएल राहुल ने बनाए हैं खूब रन**

केएल राहुल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अब तक 16 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 50.92 की औसत और 132.52 की स्ट्राइक रेट से 713 रन बनाए हैं, जिसमें 7 अर्धशतक शामिल है। उनका हाईएस्ट स्कोर नाबाद 95 रन है। इन आंकड़ों को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि फ्रएक ऐसी फ्रेंचाइजी है जिसके खिलाफ राहुल को बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है। जोफ्रा आर्चर जो इस सीजन राजस्थान के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक हैं, उनके खिलाफ भी केएल राहुल ने आईपीएल में खूब रन बनाए हैं।

**मुंबई।** आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली ने इस सीजन अब तक 5 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से उन्हें 4 में जीत मिली है। सिर्फ 1 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की टीम के इस शानदार प्रदर्शन का क्रेडिट काफी हद तक केएल राहुल को भी जाता है। राहुल ने इस सीजन अब तक 4 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 66.66 के औसत से 200 रन बनाए हैं। वो अब तक दो अर्धशतक भी लगा चुके हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में केएल राहुल बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे।

उस मैच में राहुल 13 गेंदों में मात्र 15 रन बनाकर आउट हो गए थे और उनकी टीम मुकाबला हार गई थी। केएल राहुल अब 16 अप्रैल को राजस्थान के खिलाफ मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। राजस्थान के खिलाफ केएल राहुल का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। वो आईपीएल में जब भी इस टीम के खिलाफ खेलने के लिए उतरते हैं तब वह एक बड़ी पारी खेलते हैं। हम आपको बताएंगे कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ केएल राहुल का रिकॉर्ड कैसा है।

केएल राहुल आईपीएल में जोफ्रा आर्चर के खिलाफ 59 गेंदों में 150.84 की स्ट्राइक रेट से 89 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 3 छक्के लगाए हैं। आर्चर अब तक एक भी बार राहुल को आउट करने के कामयाब नहीं हो सके हैं। ऐसे में आज ये देखना दिलचस्प होगा कि आर्चर के खिलाफ राहुल आज कैसी बल्लेबाजी करते हैं।

# 2028 ओलिंपिक पोमोना के फेयरग्राउंड में खेला जायेगा क्रिकेट मुकाबला

**नई दिल्ली।** 2028 लॉज एंजिल्स में आयोजित ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट का आयोजन साउथ कैलिफोर्निया के पोमोना के फेयरग्राउंड में खेला जाएगा। इसके लिए यहां पर अस्थायी तौर पर क्रिकेट स्टेडियम तैयार किया जाएगा। मंगलवार को आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की।

पोमोना के फेयरग्राउंड जिसे फेयरप्लेक्स के नाम से जाना जाता है। यह लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किमी पूर्व में है। यह 500 एकड़ का इवेंट कॉम्प्लेक्स है, जिसने साल 1922 से लॉस एंजिल्स काउंटी फेयर की मेजबानी की है। यह वेन्यू कॉन्सर्ट, ट्रेड शो, स्पोर्ट्स और कल्चरल इवेंट के लिए जाना जाता है। यहां पूरे साल इवेंट आयोजित होते रहते हैं।

पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच न्यूयॉर्क में खेला गया था पिछले साल वरअ और वेस्टइंडीज में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान न्यूयॉर्क में भारत-पाक का मैच खेला गया था। इसके लिए पॉप-अप स्टेडियम बनाया गया था। इसके अलावा लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड स्टेडियम और टेक्सास में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में भी वर्ल्ड कप के मैच खेले गए थे।

मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में होगी 6-6 टीमें ओलिंपिक गेम्स 2028 में क्रिकेट के मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में कुल 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसका ऐलान इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी पहले ही कर चुकी है। दोनों कैटेगरी में सभी छह टीमें अपने-अपने स्क्वॉड में 15 मेंबर्स चुन सकती हैं। ओलिंपिक में क्रिकेट को पिछले साल शामिल किया गया था। इसमें क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट को चुना गया है।

### 1900 में ओलिंपिक में खेला गया था क्रिकेट

ओलिंपिक में क्रिकेट केवल एक बार शामिल हुआ था। ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में शामिल हुआ था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था। दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था।

क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में अब तक जानकारी नहीं अभी तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। कॉमनवेल्थ में दो बार खेला गया क्रिकेट क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता।

# पंजाब ने आईपीएल इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया

**मुल्लांपुर।** आईपीएल-18 के 31वें मैच में पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया। टीम ने मंगलवार को मुल्लांपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स को 112 रन का टारगेट दिया। जवाब में पंजाब किंग्स ने युजवेंद्र चहल के 4 विकेट की बदौलत कोलकाता को 95 रन पर समेट दिया।

प्रभसिमरन ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगाया। रमनदीप ने डाइविंग कैच लपका। रहाणे रिव्यू न लेने की वजह से आउट हुए। क्छछ में सुनील नरेन किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। चहल ने आठवीं बार किसी मैच में 4 विकेट लिए।

पंजाब की पारी के तीसरे ओवर में प्रभसिमरन ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगा दिया। वैभव अरोड़ा ने ओवर की दूसरी बॉल फुल और सीधी डाली, जिसका प्रभसिमरन ने पूरा

फायदा उठाया। वे आगे बढ़े और लाइन में आकर, कलाइयों का जबरदस्त इस्तेमाल करते हुए गेंद को डीप मिडविकेट के पार फ्लैट छक्का मार दिया। प्रभसिमरन ने हेलिकॉप्टर स्टाइल में शॉट खेला।

तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर रमनदीप सिंह के शानदार कैच से पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौटे। हर्षित राणा ने शॉर्ट और वाइड गेंद डाली। श्रेयस ने इसे कट करने की कोशिश में हवा में खेल दिया। गेंद डीप थर्ड मैन की तरफ गई। यहां रमनदीप सिंह

ने आगे की ओर दौड़कर, जमीन से कुछ इंच ऊपर शानदार डाइविंग कैच लपक लिया।

11वें ओवर की चौथी बॉल पर शशांक सिंह को जीवनदान मिला। नरेन ने फुल गेंद ऑफ स्टंप के पास डाली, शशांक ने नीचे झुककर स्लॉग स्वीप शॉट खेला और बॉल को मिडविकेट की तरफ ऊंचाई के साथ मार दिया। यहां फील्डर रिंकू सिंह ने बाईं तरफ दौड़ लगाई और कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथ से लगकर चौके के लिए चली गई।

16वें ओवर की तीसरी बॉल पर जेवियर बार्टलेट रनआउट हो गए। वैभव अरोड़ा की गेंद मिडल स्टंप पर गुडलेंथ थी, बार्टलेट ने लॉन्ग ऑन की तरफ जोरदार ड्राइव मारी और एक रन पूरा कर लिया गया था। लेकिन फिर अचानक बार्टलेट ने दूसरा रन लेने की कोशिश की, जबकि श्रेयस पहले से ही आ रहा था। यहां अर्शदीप ने मना भी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वेंकटेश अय्यर का थ्रो आया और अरोड़ा ने गिल्लियां बिखेर दी।

आठवें ओवर की चौथी बॉल पर कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे छइह आउट हो गए। युजवेंद्र चहल ने ऑफ स्टंप के पास बॉल डाली, रहाणे ने उसे स्लॉग स्वीप करने की कोशिश की लेकिन चूक गए, और गेंद सीधा पिछले पैर पर लग गई। अंपायर ने उंगली उठाई और रहाणे ने पहले तो बिना सोचे चलना शुरू किया, फिर रघुवंशी से बात की लेकिन अंत में बिना रिव्यू लिए ही पवेलियन लौट गए। बॉल ट्रैकिंग से साफ हुआ कि गेंद का इम्पैक्ट ऑफ स्टंप के बाहर था, यानी अगर रहाणे रिव्यू लेते तो वे नॉटआउट होते। उन्होंने 17 रन बनाए।

# जापान के फुटबॉलर नोजोमु ने कोलकाता से काशी तक 2000 किमी की ड्रिब्लिंग की

**जस तरह महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह के दौरान 385 किलोमीटर की पैदल यात्रा की थी। उससे प्रभावित होकर सबसे लंबी ड्रिब्लिंग कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का भी प्रयास है।**

**नई दिल्ली।** जापान के रहने वाले फुटबॉलर नोजोमु हागीहारा (31) ड्रिब्लिंग (जमीन पर फुटबॉल को उछालते हुए आगे बढ़ना) करते काशी पहुंचे। तीन मार्च से कोलकाता से सड़क पर फुटबॉल खेलते हुए उनका असाधारण सफर न केवल खेल के प्रति उनके प्रेम को दशार्ता है, बल्कि गांवों में लैंगिक समानता, स्वच्छता और पोषण के साथ ही बच्चों को चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना है।

3 मार्च को कोलकाता से नई दिल्ली तक 2,000 किलोमीटर की एकल ड्रिब्लिंग यात्रा मई में नई दिल्ली में समाप्त होगी। नोजोमु अपने असाधारण कौशल और फुटबॉल के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। साहसिक यात्रा की शुरूआत उन्होंने कोलकाता से की।

सड़क पर फुटबॉल खेलते हुए 2000 किमी का सफर तय कर मंगलवार को काशी पहुंचे। सोनारपुर में विश्राम के बाद गुरुवार को दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। हागीहारा ने बताया कि गरीब और वंचित बच्चों को फुटबॉल अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उनका मानना है कि फुटबॉल न केवल एक मनोरंजक खेल है, बल्कि यह अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता सिखाता है। नोजोमु ने कहा कि गांवों में फुटबॉल कार्यशालाएं की हैं। इन सत्रों का उद्देश्य बच्चों खासकर लड़कियों को सशक्त बनाना है। जिस तरह महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह के दौरान 385 किलोमीटर की पैदल यात्रा की थी। उससे प्रभावित होकर सबसे लंबी ड्रिब्लिंग कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का भी प्रयास है।

2023 में एक ऑस्ट्रेलियाई ने 337 किमी तक ड्रिब्लिंग कर रिकॉर्ड बनाया था। जब लोग उन्हें सड़क पर फुटबॉल खेलते देखते हैं, तो वे रुकते हैं और बातचीत करते हैं। प्रवास के दौरान नोजोमु काशी के बच्चों के साथ फुटबॉल खेलेंगे। बुनियादी कौशल सिखाएंगे और इसमें कॅरिअर बनाने की संभावनाओं के बारे में भी बताएंगे।

### जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 27 अप्रैल से

जिला एथलेटिक्स संघ 27 अप्रैल को वार्षिक जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता कराएगा। मुनारी के एसबीएस स्पोर्ट्स एकेडमी के खेल मैदान में जिले भर के युवा प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रमेश कुमार यादव ने बताया कि मुख्य उद्देश्य जिले के युवा और प्रतिभाशाली एथलीटों को मंच देना है। प्रतियोगिता के माध्यम से राष्ट्रीय खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बालक और बालिकाएं हिस्सा लेंगे। सचिव ने बताया कि विजेता खिलाड़ी 15 से 18 जून तक होने वाली 20वीं राष्ट्रीय इंटर डिस्ट्रिक्ट प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह युवा एथलीटों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का शानदार अवसर है। 19 अप्रैल से सिगरा स्टेडियम में किड्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता स्थगित कर दी गई है। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रमेश यादव ने बताया कि खेल विभाग के हॉस्टल में प्रवेश के लिए चयन प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है, जिसके चलते किड्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता को फिलहाल टाल दिया गया है। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के छोटे बच्चे हिस्सा लेने वाले थे। युवा खिलाड़ियों और अभिभावकों में निराशा है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सत्र 2025-26 के लिए वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। हर महीने दूसरे शनिवार को खेलकूद और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियां होंगी। यह निर्णय छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रख लिया गया है। देखा जाता है कि पाठ्यक्रम के दबाव में छात्रों को खेलकूद और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के लिए समय नहीं मिल पाता है। परिषद का मानना है कि खेलकूद न केवल छात्रों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुणों का विकास करता है। इस दिन विद्यालयों को खेलकूद प्रतियोगिताएं, योगाभ्यास, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, कला और शिल्प गतिविधियां और अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन करना होगा।

**2023 में एक ऑस्ट्रेलियाई ने 337 किमी तक ड्रिब्लिंग कर रिकॉर्ड बनाया था। जब लोग उन्हें सड़क पर फुटबॉल खेलते देखते हैं, तो वे रुकते हैं और बातचीत करते हैं।**

# मेरठ मंडल की मंडलीय समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

## मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक, मेरठ मंडल द्वारा संयुक्त रूप से की गई समीक्षा

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** बीएसए कार्यालय, गाज़ियाबाद में राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ के अधिकारियों द्वारा मेरठ मंडल की मंडलीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक श्याम किशोर तिवारी, वरिष्ठ विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ, मनीष कुमार, उप पाठ्यपुस्तक अधिकारी, उप पाठ्य पुस्तक कार्यालय लखनऊ तथा दिनेश कुमार यादव, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक, मेरठ मंडल द्वारा संयुक्त रूप से समीक्षा की गयी।

बैठक में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई। विशेष रूप से इन बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा एवं निर्देश दिए गए।

- यू-डीआईएस डाटा एंट्री के अनुसार समय पर सभी विद्यालयों में पुस्तकें वितरित की जाएं, ताकि शिक्षण कार्य समय से आरंभ हो सके। पीएमश्री स्कूलों की प्रगति एवं गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा अपेक्षित सुधारों हेतु सुझाव दिए गए।
- राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा प्रदत्त स्मार्ट क्लास की समीक्षा की गई। संबंधित विद्यालयों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए।
- जिन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित की गई हैं, उनकी ऑनलाइन मासिक बैठक डीसी एमआईएस एवं डीसी प्रशिक्षण के माध्यम से आयोजित की जाए, जिससे उनकी प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।
- खेल सामग्री का प्रत्येक विद्यालय में समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए और छात्रों को शारीरिक गतिविधियों हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में मेरठ मंडल के सभी जनपदों के बीएसए गाज़ियाबाद ओ.पी. यादव, बीएसए बागपत गीता चौधरी, बीएसए हापुड़ ऋतु तोमर, बीएसए बुलंदशहर लक्ष्मीकांत पांडे, बीएसए गौतमबुद्धनगर (नोएडा) राहुल पवार, बीईओ मुख्यालय मेरठ उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में बीएसए गाज़ियाबाद ओ.पी. यादव ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया एवं आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का अनुशासित एवं प्रभावी अनुपालन कराया जाएगा।

## मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से बदमाशों ने तमंचे के बल पर लूटे जेवर

**मुरादगनर (करंट क्राइम)।** मुरादनगर में सुबह की सैर पर निकली दो महिलाओं से तीन बदमाशों ने लूटपाट की। घटना रावली सुराना मार्ग पर ईंट भट्टे के पास सुबह करीब 5 बजे की है। रावली कलां गांव की शशि त्यागी अपनी पड़ोसी लोकेश त्यागी के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। ईंट भट्टे के पास तीन बदमाश आए। उन्होंने तमंचा दिखाकर महिलाओं से सोने के कुंडल और पाजेब लूट लिए। महिलाओं ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की। दोनों महिलाएं घायल हो गईं। बदमाश वारदात के बाद फरार हो गए। महिलाएं किसी तरह अपने घर पहुंचीं और परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसीपी मसूरी सर्किल ने बताया कि बदमाशों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### अब डिप्टी सीएम नया कुर्ता लेकर आयें और विधायक जी को पहनायें

सरकार और सरकारी के बीच जंग ही भगवागढ़ में चली। ये बात अलग है कि सरकार वालों की एक नहीं चली और सरकारी वालों की पूरी चली। प्रथम नागरिक ने तो पिछले साल ऐलान किया था कि आई विल सी यू, आफ्टर 4 जून। कमाल ये हुआ कि बस डेढ महीने की बात रह गई, वर्ना अगला जून आ गया था। अगर इसी में पूरी दमदारी के साथ मोर्चा खोला तो क्रान्तिकारी विधायक जी ही थे। बहुत दिनों से विधायक जी फटा कुर्ता पहन रहे थे। साहब के जाते ही विधायक जी के यहां ढोल बजा और विधायक जी ने सहारनपुर पहुंच कर कथा में नया कुर्ता पहन लिया। अब जो इस पूरे सीन के क्लाईमैक्स का इंतजार कर रहे थे। उनका कहना है कि विधायक जी ने टू मच जल्दी कर दी। ये भी भला कोई बात हुई कि इधर हुआ तबादला और उधर कुर्ता बदला। अरे कोई छोटा नेता भी अनशन पर बैठ जाता है तो बिना जूस का गिलास पिये वो नहीं उठता और विधायक जी तो वैसे भी फटा कुर्ता, नंगे पैर बिना अन्न के घूम रहे थे। कम से कम इतना तो होना चाहिए था कि डिप्टी सीएम नया कुर्ता लेकर आते और विधायक जी को पहनाते। जब दो डिप्टी सीएम कंधे पर उस जंग में हाथ रख सकते हैं तो अब तो उनका साथ होना एक संदेश देता। विधायक जी ऐसी भी क्या जल्दी थी तुम्हें कुर्ता बदलने की।

### हो गई उनको पीर और कहा मेरा काम नहीं है ठंडी कराना खीर

किस्सा राम वालों में गूंज रहा है और किस्से में वो यात्रा है जो कमेटी वालों ने निकाली है। पुरानी रामलीला में नया निजाम आया है तो यहां नये चेहरों के हिस्से में नया काम आया है। अब किस्से में वो खीर आ गई जिसे लेकर किसी का लहजा गरम हो गया और लहजा गरम करने का कारण खीर ठंडी होना था। बताते हैं कि सिंघल जी के संबधी साहब ने खजांची जी को सुझाव दे दिया कि ये जो खीर बनी है ये गरम है और अगर इसे ठंडी करा दिया जाये तो ठीक रहेगा। अब खंजाची जी भी कम नहीं है और उनके पास तो वैसे भी गेहूं चावल से लेकर मैदान के खर्चों का पूरा प्रभार है। उन्होंने भी लहजा बदला और कहा कि ये खीर ठंडी कराना मेरा काम नहीं है। बात भी सही है कि अगर वो अब भी पहले वाला खाल समझ रहे हैं तो वो समझ लें कि खीर भी गरम है और माहौल भी।

### नवभाजपाई ले रहे हैं मौज और अभी तो आनी है इससे बड़ी बहार

फूल वालों का कुनबा एक्सटेंशन प्रोग्राम जो करा दे वो कम। नीचे वालों को इस बात का गुमान कि भाजपा में हम ही हम हैं। ऊपर वालों को इस बात की चिंता कि कैसे भी करो सरकार बनानी हैं और इसके लिए कहीं की ईंट कहीं की रोड़ी अपने यहां बुलानी है। सीन ये है कि पुराने भाजपाईयों से ज्यादा बहुमत में नव भाजपाई हैं। अब कोई भी संघ आयु की बात नहीं करता। अब किसी की रूचि ओटीसी में नहीं है। नए भाजपाई फुल मौज में है और पुराने वाले ध्वज प्रणाम से लेकर बूथ वाली फौज में है। बात नव भाजपाईयों और मौज की चली तो शिजरे में डिप्टी सीएम से लेकर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार आ गये। कई विधायकों और एमएलसी के नाम बाहर आ गये। कहने वाले ने कहा कि अभी क्या देखा है अभी तो देखोगे। अभी तो सरकारी कृपा का ताज भी इन्हीं नव भाजपाईयों के सर पर देखोगे। उन्होंने कई नाम गिनाये और कहा कि छोड़ो कल की बातें।

# मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए सुनहरा मौका

**गाजियाबाद करंट क्राइम।** जिला समाज कल्याण अधिकारी, वेद प्रकाश मिश्र ने प्रेस नोट के द्वारा बताया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना 18 अक्टूबर 2022 द्वारा योजना संचालन हेतु दिशा निर्देश एवं गाइड लाईन निर्गत किया गया है। योजनान्तर्गत ऐसे छात्र जो नीट, जेईई, आईएएस, पीसीएस, एनडीए/सीडीएस एवं एक दिवसीय परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं, वह योजनान्तर्गत कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाज़ियाबाद में अपना पंजीकरण कराकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

आवेदन करने की अन्तिम तिथि 20 मई 2025 कोचिंग प्रारम्भ होने की तिथि 1 जुलाई 2025 योजनान्तर्गत इच्छुक छात्र/छात्रा कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाज़ियाबाद, कक्ष नं० 111, विकास भवन गाज़ियाबाद से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। योजना की विस्तृत जानकारी हेतु योजना के कोर्स को-आर्डिनेटर अविनाश से सम्पर्क कर सकते हैं।

## हिंडन एयरपोर्ट से उड़ान बढ़ी पर सुविधाएं नहीं

**साहिबाबाद करंट क्राइम।** हिंडन एयरपोर्ट से उड़ानों की संख्या बढ़ी हैं, लेकिन सुविधाएं थमी हुई हैं। मार्च से अब तक यहां से 12 शहरों की उड़ान शुरू हो चुकी है और मई से इसकी संख्या 15 हो जाएगी, लेकिन छह वर्षों से चल रही एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए पब्लिक वाहन की सुविधा देने की कवायद अब तक भी शुरू नहीं की गई है। उड़ानों की संख्या बढ़ने से प्रतिदिन हिंडन एयरपोर्ट के जरिये सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 800 से 1000 के बीच है। प्रतिदिन यहां सैकड़ों की संख्या में लोग आते हैं, लेकिन यदि किसी के पास खुद का वाहन न हो तो कैब के अलावा उनके पास और कोई दूसरा विकल्प नहीं होता है। एयरपोर्ट पर उतरने वाले यात्रियों को दिक्कत अधिक होती है। एयरपोर्ट के बाहर से किसी को कोई पब्लिक वाहन न मिलने से लोग परेशान हो जाते हैं। कई बार मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए करीब 200 मीटर पैदल चलना पड़ता है। एयरपोर्ट के पानी की निकासी के लिए अब तक भी नाले का निर्माण नगर निगम की ओर से नहीं किया जा सका है। एयरपोर्ट के दोनों और खाली प्लॉट हैं, जिनमें सिकंदरपुर गांव का पानी जमा रहता है। रोड के दोनों ओर लगाए गए पेड़-पौधे भी सूख चुके हैं। वर्ष 2019 में नगर निगम की ओर से 200 मीटर के दायरे तक एयरपोर्ट रोड के दोनों और फुलवारी विकसित की गई थी जिसके नाम पर अब महज खजूर के पेड़ बचे हुए हैं, अन्य सभी पौधे सूख चुके हैं, जिसकी सुध किसी ने नहीं ली।

## अभी कुछ दिन माहौल रहेगा शांत

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बड़ा बदलाव होने के बाद माहौल बदला बदला सा नजर आ रहा है। देर रात जैसे ही लिस्ट आई तो पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कई सोशल मीडिया के ग्रुप गर्मा गए तो कई जगह शांति वाला माहौल दिखा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि फेयरवेल वाली पार्टी से पहले ही चार्ज छोड़ दिया गया है। तो नए साहब आज चार्ज संभाल लेंगे। उनकी कमिश्नरेट वाली वर्किंग की चर्चा गाजियाबाद तक गूंज रही है। ताज सिटी में क्राइम कंट्रोल से लेकर लोगों से मधुर व्यवहार बता रहा है कि कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के हालात बदलेंगे। तो वहीं सूत्रों ने जानकारी दी है कि बेहतर वर्किंग करने वालों के लिए माहौल शांत रहेगा। तो वहीं लापरवाही और शिकायती पुलिसकर्मियों की परेशानी बढ़ेगी। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि तबादला लिस्ट आने के बाद अभी एक मिनी लिस्ट आने की ओर संभावना बनी हुई है। देखना होगा उसमें गाजियाबाद का कौन सा अधिकारी शामिल होता है। वहीं सूचना मिली है कि जिस अधिकारी को लंबे समय से साइड लाइन किया जा रहा था, अंतिम दिन उनको ही चार्ज भी सौंपा गया है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि कई थाना प्रभारी इस बदलाव से थोड़ा कूल वाले माहौल को फील कर रहे हैं। तो वही उन पुलिसकर्मियों को थोड़ा बैकअप मिल जाएगा, जो टाइमलाइन क्रॉस करने वाली स्थिति में आ गए थे। पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि अप्रैल वाला माह शांत रहेगा। वही देखना होगा कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में क्या बड़े परिवर्तन और वर्किंग पर क्या असर पड़ता है। वैसे जिस वरिष्ठ अधिकारी को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है, उनका सूबे के मुख्यमंत्री अपने जिले में टेस्ट ले चुके हैं। तो वहीं ताज नगरी वाले कमिश्नरेट में 15 माह की पारी भी सफलताओं और महत्वपूर्ण खुलासों से भरी हुई बताई जा रही है। वही जानकारी मिली है कि उनको पश्चिम की नौकरी का बड़ा अनुभव है। जो गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट को बेहतर रूप से चलाने में मददगार साबित होगा। तो वहीं अब कहा जा रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में खाकी और खादी का एक अलग फेस भी नजर आने वाले दिनों में दिखेगा। वही सूत्र बता रहे हैं कि नंबर दो की पोजीशन वाले अधिकारी के अच्छे दिन भी शुरू होने की जानकारी मिल रही है।




# रेडक्रॉस सोसायटी गाजियाबाद ने मनाया विशेष सेवा दिवस

## पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने की रेडक्रॉस की प्रशंसा

**गाजियाबाद करंट क्राइम।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर टी.बी. मुक्त भारत अभियान की कड़ी में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी गाजियाबाद इकाई द्वारा स्वस्थ-समर्थ जनपद के मंत्र को शाश्वत करने के उद्देश्य से बुधवार को विशेष सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए दिन की शुरुआत साप्ताहिक गौ- वंश नन्दी हरा चारा सेवा करके की गई। गाजियाबाद स्थित नन्दी पार्क में लगभग 500 नंदियों को हरा चारा खिलाया जिसमें सुभाष गुप्ता, धवल गुप्ता, राकेश चतुर्वेदी, वल्ली, अनुराग अग्रवाल, मनोज खंडेलवाल, डीवीएफ से अंकित गुप्ता, रंजीत पोद्दार व दीपक वर्मा की सामूहिक उपस्थिति में नन्दी पार्क में कार्यरत सभी कर्मचारियों को अल्पाहार वितरित किया तथा महिला कर्मचारियों को स्वच्छता का संदेश देते हुए सेनेटरी पैड भी वितरित किए।

दूसरे पड़ाव में डॉ दिनेश वलिगा व डॉ शील वर्मा की सौजन्य से जिला चिकित्सालय में 16 क्षय रोगियों को पुष्टाहार पोटली वितरित की गई। सेवा के तीसरे पड़ाव में इनर व्हील क्लब गाजियाबाद ग्रेटर की अध्यक्ष सुषमा गुप्ता व संध्या त्यागी के प्रयास से अनिल अग्रवाल पूर्व राज्यसभा सांसद की गरिमामई उपस्थिति में 25 क्षय रोगियों को गोद लेकर टी. बी. रोग से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पुष्टाहार पोटली के साथ साथ सैनटरी पैड भी वितरित किए गए। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल ने कहा रेड क्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करती है। टी. बी. की सघन जांच अभियान में सुभाष गुप्ता के नेतृत्व में रेड क्रॉस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पिछले दिनों रेड क्रॉस गाजियाबाद के स्वयं सेवक दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र तक घूमते रहे ताकि स्वस्थ समर्थ जनपद का संकल्प पूरा किया जा सके। रेड क्रॉस उपाध्यक्ष डॉ. अखिलेश मोहन सी एम ओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, टी. बी. विभाग व रेडक्रॉस के संयुक्त प्रयास से ही सघन जांच अभियान में आशातीत सफलता हासिल हुई है। साथ ही उन्होंने डॉ अनिल अग्रवाल का भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर आभार प्रकट किया तथा रेड क्रॉस व इनर व्हील क्लब द्वारा मुख्य अतिथि, सभी चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान प्रतीक व पटका का पहनकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अनिल यादव ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय रेड क्रॉस सभापति डॉ सुभाष गुप्ता, सचिव डॉ किरण गर्ग, डॉ अमित विक्रम, डॉ नेहा, डॉ संजय गुप्ता, दीपाली गुप्ता, सुमन लता, सुषमा गुप्ता, संध्या त्यागी, राकेश चतुर्वेदी, डी. सी. बंसल, छोटेलाल कनौजिया, विपिन अग्रवाल, नागेंद्र को देते हुए सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में राहुल गोयल भाजपा नेता द्वारा भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

## मरीज की मौत के बाद अस्पताल की जांच

### डॉक्टर गैर मौजूद और मानकों में कमी मिलने पर ऑपरेशन थिएटर-लेबर रूम सील, लाइसेंस निलंबित

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** लोनी क्षेत्र में स्थित रति अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम को सील कर दिया है। 48 वर्षीय जग्गी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया। मामला इतना बिगड़ा कि पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग ने नोडल ऑफिसर डॉक्टर दवीलाल के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया। जांच के दौरान अस्पताल में दो मरीज तो मिले, लेकिन एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं था। जांच टीम को अस्पताल के दस्तावेजों में कई कमियां मिलीं। अस्पताल आवश्यक मानकों का भी पालन नहीं कर रहा था। इन सभी कारणों से विभाग ने अस्पताल का रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया है। जांच पूरी होने तक अस्पताल में किसी भी तरह की मेडिकल सेवाएं नहीं दी जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की गहन जांच कर रहा है।

## फार्म हाउस का सौदा कर दो भाइयों ने 67 लाख ठगे

**गाजियाबाद करंट क्राइम।** दिल्ली के पीतमपुरा निवासी दो भाइयों ने खुद को मेसर्स नाइन ओ नाइन स्ट्रेक्चर्स प्रा. लि. का साझीदार बताकर नोएडा स्थित प्रोजेक्ट स्पोर्ट्स लैंड फार्म हाऊस की जमीन का सौदा किया। फार्म हाऊस का सौदा 84 लाख रुपये में हुआ। कविनगर निवासी राजकिशोर ने अपने अन्य नौ साझीदार के साथ 67 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। भुगतान के बाद आरोपी भाइयों ने फार्म हाऊस का बैनामा नहीं किया। अपर पुलिस आयुक्त के निर्देश पर कविनगर पुलिस ने आरोपी दोनों भाइयों संदीप वाधवा और विपुल वाधवा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कविनगर निवासी राजकिशोर गुप्ता ने अपर पुलिस आयुक्त राजेश कुमार से की शिकायत में बताया कि मई 2022 में दिल्ली के पीतमपुरा निवासी संदीप वाधवा और विपुल वाधवा ने उनसे संपर्क किया। दोनों भाइयों ने बताया कि वह नोएडा सेक्टर-151 स्थित प्रोजेक्ट स्पोर्ट्स लैंड फार्म हाउस की जमीन के मालिक हैं और बेचना चाहते हैं। फार्म हाऊस का सौदा 10 लोगों के साथ 1600 गज जमीन का 5250 रुपये गज के मूल्य पर किया था। भुगतान सात लाख रुपये चेक के जरिये किया और 60 लाख रुपये सभी खरीदारों ने नकद दिए। बाकी 17 लाख रुपये रजिस्ट्री के समय देना तय हुआ। कुछ समय बाद उन्हें बताया गया कि फार्महाउस की जमीन डूब क्षेत्र में आती है और उस पर राजस्व विभाग की रोक है, जिसे हटाने के लिए उन्होंने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने दो महीने में समाधान का आश्वासन दिया। जब पीड़ित पक्ष ने समय बीतने पर संपर्क करना शुरू किया, तो आरोपी टाल-मटोल करते रहे और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस से मदद मांगी है।

## जिम के बाहर किशोर को युवकों ने बेरहमी से पीटा, आरोपियों की तलाश जारी

**हापुड़ (करंट क्राइम)।** हापुड़ में एक किशोर के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। स्वर्ग आश्रम रोड स्थित एक जिम के पास 4-5 युवकों ने एक किशोर को बेरहमी से पीटा।

आरोपियों ने पीड़ित को बेल्ट से मारा और लात-घूंसे भी बरसाए। घटना करीब एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है। किशोर उनसे माफी मांगता रहा और पिटाई न करने की गुहार लगाता रहा, लेकिन आरोपियों ने उस पर रहम नहीं किया। सीओ जितेंद्र कुमार शर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। साथ ही पुलिस पीड़ित किशोर का पता लगाने में भी जुटी है ताकि उसकी स्थिति की जानकारी ली जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

## जिलाध्यक्ष ने कहा: केंद्र सरकार ईडी का दुरुपयोग कर रही

**हापुड (करंट क्राइम)।** नेशनल हेराल्ड की संपत्ति को ईडी द्वारा सीज किए जाने और राहुल-सोनिया गांधी पर चार्जशीट दाखिल करने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हापुड़ में प्रदर्शन किया। नगर पालिका परिषद स्थित गांधी प्रतिमा पर बुधवार को हुए धरने में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार ईडी का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने नेशनल हेराल्ड की संपत्ति की जब्ती को असंवैधानिक बताया। त्यागी के अनुसार, राहुल-सोनिया गांधी पर चार्जशीट राजनीतिक बदले की भावना से दाखिल की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार नहीं रुकी तो कांग्रेस कार्यकर्ता जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे। शहर अध्यक्ष इरफान कुरैशी ने आरोप लगाया कि जब भी राहुल गांधी जनता के मुद्दों को उठाते हैं, केंद्र सरकार गांधी परिवार को निशाना बनाती है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया। कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार की मनमानी नहीं सहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हेराल्ड को स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक बताया।

उनका कहना था कि इसकी संपत्ति पर कार्रवाई कांग्रेस की आवाज दबाने की साजिश है। कार्यकर्ताओं ने राहुल-सोनिया गांधी के साथ एकजुटता जताते हुए अडिग रहने की बात कही। ये रहे मौजूद इस दौरान पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व शहर अध्यक्ष अभिषेक गोयल, पूर्व पीसीसी सदस्य अरविंद शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुशील शर्मा, सभासद सुशील शास्त्री, इंद्रराज बांगा, रघुवीर सिंह एडवोकेट, जाहिद हुसैन, सुबोध शास्त्री, गौरव गर्ग, विक्की शर्मा, नरेश भाटी, धर्मेंद्र कश्यप, कुसुमलता, ऐजाज अहमद, जलज तेवतिया, निसार खान, संदीप कुमार, हारून सिद्दीकी, अब्दुल कलाम, रविन्द्र गुर्जर, सुखपाल गौतम, विनोद कर्दम, शहजाद, अब्दुल कलाम, रईस अन्नू, राहुल, विशाल सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

## विशेष अभियान में 528 लोग खुले में शराब पीते पकड़े

**गाजियाबाद (करंट क्राइम)।** पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में चले इस तीन घंटे के अभियान में 528 लोग पकड़े गए। सार्वजनिक स्थानों पर मदिरापान की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई।

पुलिस ने शराब के ठेके के आसपास, सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग की। पकड़े गए सभी लोगों को थाने लाया गया। इनका मेडिकल कराने के बाद पुलिस एक्ट की धारा 34 के तहत चालान किया गया। डीसीपी सिटी राजेश कुमार के अनुसार, नगर जोन में कुल 219 लोगों पर कार्रवाई हुई। इनमें कोतवाली घंटाघर से 43, विजयनगर से 50, सिहानी गेट से 35, नंदग्राम से 43, कवि नगर से 28 और मधुबन बापूधाम से 20 लोग शामिल हैं। डीसीपी रूरल सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि देहात जोन में 162 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। थाना लोनी से 25, ट्रॉनिका सिटी से 14, अंकुर विहार से 19, लोनी बॉर्डर से 11, मसूरी से 16, मुरादनगर से 21, मोदीनगर से 10, निवाड़ी से 2, भोजपुर से 10, वेव सिटी से 5 और क्रॉसिंग रिपब्लिक से 29 लोग पकड़े गए।

## हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, 120 बीघा पर चला बुलडोजर

### 150 करोड़ की जमीन कराई खाली

**नोएडा (करंट क्राइम)।** गौतम बुद्ध नगर में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और कॉलोनी के खिलाफ बुलडोजर चलाया गया। दादरी तहसील के ग्राम हैबतपुर में यह कार्रवाई की गई। एसडीएम अनुज नेहरा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इसमें नोएडा प्राधिकरण, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग की टीमें शामिल रहीं। तहसीलदार सीमा के नेतृत्व में नोएडा भूलेख की टीम, के वी सिंह के नेतृत्व में वर्क सर्किल-6 की टीम और एसडीएम दादरी के नेतृत्व में तहसील सदर की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। खसरा नंबर 224, 230, 231, 232 और 346 में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में करीब 120 बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस जमीन की कीमत लगभग 150 करोड़ रुपए आंकी गई है।

# टैरिफ युद्ध के बीच चीन ने भारतीयों को जारी किए 85 हजार वीजा, भारत से संबंध सुधारना चाहता है ड्रैगन

**नई दिल्ली ।** भारत स्थित चीन के दूतावास ने इस साल 9 अप्रैल तक 85 हजार भारतीय नागरिकों को वीजा दिया है। दोनों देशों के बीच लोगों के लोगों से संबंधों को बेहतर करने की दिशा में यह अहम कदम है। भारत में चीन के राजदूत शू फेहोंग ने बताया कि 'इस साल 9 अप्रैल 2025 तक चीनी दूतावास ने भारतीय नागरिकों को 85 हजार से ज्यादा वीजा जारी किए हैं। चीन में और भारतीय दोस्तों का स्वागत करेंगे ताकि वे चीन में खुले, सुरक्षित, वाइब्रेंट और मित्रवत माहौल का अनुभव कर सकें।'

**भारतीय पर्यटकों को लुभाने की कोशिश कर रहा चीन** :गौरतलब है कि चीन की सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए कई छूट शुरू की हैं, जिनके तहत भारतीय आवेदक बिना किसी पूर्व ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के कार्य दिवसों में सीधे वीजा केंद्र पर आवेदन जमा कर सकते हैं। साथ ही थोड़े समय के लिए चीन की यात्रा करने वाले नागरिकों को बायोमेट्रिक डेटा देने से भी छूट दी गई है। चीन ने वीजा शुल्क भी कम कर दिया है और काफी कम दर पर चीन का वीजा प्राप्त किया जा सकता है। इससे भारतीयों के लिए चीन की यात्रा किफायती भी हो गई है। चीन भारतीय पर्यटकों को भी लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने प्रमुख त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खूब प्रचार कर रहा है।

### भारत से व्यापार संबंध बढ़ाना चाहता है

डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं, लेकिन उनकी चीन पर खासी टेढ़ी नजर है। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन पर 150 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे चीन के उत्पाद, अमेरिका में दोगुने महंगे हो गए हैं। ऐसे में चीन अब भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने कहा है कि 'भारत और चीन के व्यापारिक संबंध पूरकता औ पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। अमेरिका के टैरिफ के दुरुपयोग का सामना करने के लिए दो विकासशील देशों को साथ खड़ा होना चाहिए।'

हालांकि भारत और चीन के कूटनीतिक संबंध चुनौतियों से भरे हुए हैं। खासकर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे सैन्य गतिरोध से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव है, लेकिन अब लग रहा है कि चीन को भी भारत की अहमियत का अंदाजा हो गया है। तभी चीन की सरकार भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने की कवायद कर रही है। इसके लिए लोगों के लोगों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हो रही है।

# सिंगापुर में लगी आग में फंसे बच्चों के लिए देवदूत बने 18 भारतीय, जान पर खेलकर बचाया, हुआ सम्मान

**सिंगापुर।** सिंगापुर में बीते सप्ताह लगी आग में फंसे बच्चों और लोगों को 18 भारतीयों ने देवदूत बनकर बचाया। भारतीय श्रमिकों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बच्चों को सुरक्षित आग से बाहर निकाला। सिंगापुर सरकार के सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) ने सभी भारतीयों को सामुदायिक जीवनरक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है।

आठ अप्रैल की सुबह भारतीयों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। यह शॉपहाउस बच्चों के लिए कुकिंग कैंप चलाता है। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का सात वर्षीय बेटा भी आग में फंसा था।

एससीडीएफ अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले 18 लोगों ने छह से 10 वर्ष की आयु के बच्चों और 23 से 55 वर्ष की आयु के छह वयस्कों को बचाया और उनकी देखभाल की। आग से बचाई गई 10 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई थी।



एससीडीएफ डिवीजन के कमांडर कर्नल ताई जी वेई ने कहा कि सभी आग की घटनाओं के लिए समय महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम वास्तव में जनता के सदस्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उस दिन एससीडीएफ के आने से पहले ही प्रतिक्रिया दी। उनकी बहादुरी, उनकी त्वरित कार्रवाई और उनके सामूहिक कार्य ने वास्तव में उस दिन लोगों की जान बचाई।

बच्चों को बचाने वालों में चिन्नाप्पा कन्नदासन, हसन इमामुल, शकील मोहम्मद, दास तपोश, हसन राजीब, रवि कुमार, वरुवेल क्रिस्टोफर, गोविंदराज एलंगेश्वरन, मुथुकुमार मुगेश, इंद्रजीत सिंह, सिवासामी विजयराज, नागराजन अनबरसन, सुब्रमण्यम सरनराज, इस्लाम शफीकुल, सुब्रमण्यम रमेशकुमार, बेन्सन लो, शेख अमीरुद्दीन बिन कमालुद्दीन और डॉ. लौरा बिफिन शामिल हैं।

# पेरू के पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को 15 साल की जेल, ब्राजीली कंपनी से रिश्वत लेने के आरोप

**लीमा ।** पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति ओलांटा हुमाला और उनकी पत्नी को भ्रष्टाचार के आरोप में 15 साल जेल की सजा सुनाई है। पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान ब्राजील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेचेट को ठेके देने के बदले रिश्वत ली थी। अदालत ने 62 वर्षीय हुमाला और उनकी पत्नी नादिन हेरेडिया को राष्ट्रपति अभियान के दौरान ओडेब्रेचट कंपनी और वेनेजुएला सरकार से रिश्वत लेने और मनी लॉन्ड्रिंग करने का भी आरोप है।

### पूर्व सैन्य अफसर रहे हैं हुमाला

पेरू की अदालत ने मंगलवार को दिए फैसले में पूर्व राष्ट्रपति हुमाला को भ्रष्टाचार का दोषी माना और उन्हें सजा का एलान किया। आदेश के बाद हुमाला को अदालत कक्ष में ही हिरासत में ले लिया गया। जज ने फैसले में पूर्व राष्ट्रपति हुमाला की पत्नी हेरेडिया की गिरफ्तारी का भी आदेश दिया। हेरेडिया सुनवाई में शामिल नहीं हुई थी। बाद में हेरेडिया ने गिरफ्तारी से बचने के लिए ब्राजीलियाई दूतावास में शरण ली। हुमाला एक पूर्व सैन्य अधिकारी रहे हैं और साल 2011 से 2016 तक पेरू के राष्ट्रपति रहे। अभियोजकों ने पूर्व राष्ट्रपति को 20 साल और उनकी पत्नी को 26 साल जेल की सजा देने की मांग की थी।

**पेरू में पूर्व राष्ट्रपतियों के खिलाफ आरोप का ताजा मामला** :गौरतलब है कि हुमाला पेरू के पहले राष्ट्रपति नहीं हैं, जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया गया है, उनसे पहले भी तीन पूर्व राष्ट्रपति भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमे का सामना कर चुके हैं। साल 2001 से 2006 तक पेरू का नेतृत्व कर चुके एलेजांद्रो टोलेडो को भी पिछले साल भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने के बाद 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। साल 2016 से 2018 तक पेरू का नेतृत्व करने वाले पूर्व राष्ट्रपति पाब्लो कुजिंस्की के खिलाफ भी भ्रष्टाचार की जांच जारी है। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे पूर्व नेता एलन गार्सिया ने साल 2019 में आत्महत्या कर ली थी।

# कनाडा को लेकर ट्रंप अपने रूख पर कायम

**वॉशिंगटन ।** अमेरिका और चीन के बीच टकराव जल्द कम या खत्म होने के संकेत नहीं हैं। ताजा घटनाक्रम में व्हाइट हाउस से जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के साथ व्यापार वार्ता करना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए पहला कदम चीन को बढ़ाना होगा। एक अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर भी ट्रंप प्रशासन ने लचीला रूख अपनाने से इनकार कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के विचार को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभी भी कनाडा पर अपने रुख पर कायम हैं। कनाडा के लोगों को अमेरिका का हिस्सा बनने से लाभ मिलेगा लेविट ने कहा, अमेरिका कनाडा की राष्ट्रीय रक्षा को सब्सिडी दे रहा है।




# रक्षा राज्यमंत्री ने तंजानियाई उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, सहयोग बढ़ाने पर बात

**दार अस सलाम ।** भारत और तंजानिया ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, आतंकवाद विरोधी अभियान में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने तंजानिया की रक्षा और राष्ट्रीय सेवा मंत्री स्टरगोमेना लॉरेंस टैक्स से राजधानी दार एस सलाम में मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत की। इस कार्यक्रम के अलावा रक्षा राज्यमंत्री नौसेना प्रमुख के साथ तंजानिया में किसुतु में स्वामीनारायण मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा कर लिखा, 'मंदिर में दर्शन, पूजन और अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंदिर परिसर का भ्रमण कर अद्भुत आध्यात्मिक की अनुभूति हुई। भगवान से विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए प्रार्थना किया।'

**तंजानिया के उपराष्ट्रपति फिलिप इसडोर मपांगो से रक्षा राज्यमंत्री की मुलाकात** : रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बीते 14 अप्रैल को हुई बैठक की जानकारी दी गई। मंत्रालय ने कहा, राज्यमंत्री सेठ ने तंजानिया के उपराष्ट्रपति फिलिप इसडोर मपांगो से भी मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच जारी रक्षा सहयोग की समीक्षा की गई, जिसे और मजबूत करने के संभावित नए क्षेत्रों पर चर्चा हुई। आतंकवाद से मुकाबला और उग्रवाद-रोधी अभियानों में सहयोग साथ ही भारतीय सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में तंजानिया के अधिकारियों का प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग सहयोग, आतंकवाद से मुकाबला और उग्रवाद-रोधी अभियानों में सहयोग व साइबर सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से बातचीत हुई। सेठ ने समुद्री सुरक्षा से जुड़े बड़े और साझा खतरों को रेखांकित करते हुए शांति, समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एकता और साझा उद्देश्य पर जोर दिया।

# अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

## फिलहाल जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं

**अफगानिस्तान ।** भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भूकंप के झटके लगने की सूचना है। : नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि बुधवार तड़के करीब 4.43 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर भूकंप के झटकों की तीव्रता 5.9 मापी गई। एनसीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र धरती से 75 किलोमीटर की गहराई में था। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (वठडउलअ) ने अफगानिस्तान में भूकंप को लेकर चिंता जाहिर की है।

**संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस ने संवेदनशील हालात पर जताई चिंता**: भूस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण अत्यधिक संवेदनशील इलाका है। यहां लगातार आने वाले भूकंप से कमजोर समुदायों को नुकसान होता है। आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों के लिए चर्चित अंतरराष्ट्रीय संस्था रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में पहले भी कई बार शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है। इस कारण यहां हर साल भूकंप के कई झटके लगते हैं।

भूकंप के दौरान जितना संभव हो उतना सुरक्षित रहें। इस बात के प्रति सतर्क रहें कि कौन-से भूकंप वास्तव में इसकी पूर्व-चेतावनी देने वाले भूकंप के झटके होते हैं और बाद में बड़ा भूकंप भी आ सकता है। धीरे-धीरे कुछ कदमों तक सीमित हलचल करें जिससे पास में किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकें और भूकंप के झटकों के रुकने पर घर में तब तक रहें जब तक कि आपको यह सुनिश्चित हो जाएं कि बाहर निकलना सुरक्षित है।

# गृहयुद्ध के बीच आरएसएफ की बड़ी घोषणा, नई सरकार और राष्ट्रपति परिषद बनाने का किया एलान

**सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच सूडानी सेना से लड़ रहे कुख्यात अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने अब अपनी सरकार बनाने की घोषणा कर दी है। मामले में आरएसएफ के कमांडर जनरल मोहम्मद हमदान डागालो ने वीडियो जारी कर एलान किया कि आरएसएफ अब उन इलाकों में सरकार चलाएंगे जो उनके कब्जे में हैं**

**खार्तूम ।** जिसमें पश्चिमी दारफुर क्षेत्र भी शामिल है। डागालो ने कहा कि हम एक नई सरकार बना रहे हैं जो शांति और एकता को बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि दूसरे गुट भी उनके साथ जुड़े हैं, जैसे कि सूडान लिबरेशन मूवमेंट का एक धड़ा, जो कोर्डोफन इलाके में सक्रिय है।



### 15 सदस्यीय राष्ट्रपति परिषद बनाने का एलान

अपनी घोषणा में डागलो ने यह भी कहा कि वे एक 15 सदस्यीय राष्ट्रपति परिषद बनाएंगे, जो पूरे सूडान का प्रतिनिधित्व करेगी। हालांकि, अमेरिका ने डागालो पर दारफुर में नरसंहार जैसे गंभीर आरोपों के चलते पहले ही प्रतिबंध लगा रखे हैं। बता दें कि यह कदम ऐसे समय में आया है जब आरएसएफ को हाल के महीनों में कई बड़े शहरों, जैसे कि राजधानी खार्तूम, में हार का सामना करना पड़ा है। अब वे फिर से दारफुर क्षेत्र में संगठित हो रहे हैं।

वहीं मामले में संयुक्त राष्ट्र और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, डागालो की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले आरएसएफ और उसके सहयोगियों ने उत्तरी दारफुर में दो शरणार्थी शिविरों पर हमला किया। इस हमले में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनमें 12 सहायता कर्मी और कई बच्चे शामिल थे। साथ ही यूएन की रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि जमजम और अबू शौक शिविरों पर हुए हमलों की वजह से 4 लाख लोग भागने पर मजबूर हुए।

# गाजा के सिक्योरिटी जोन से नहीं हटेंगे इस्राइली सैनिक

## रक्षा मंत्री बोले- पहले वाली गलती नहीं दोहराएंगे

**गाजा ।** इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज का कहना है कि गाजा के सिक्योरिटी जोन में इस्राइली सैनिक अनिश्चितकाल तक तैनात रहेंगे। यह कथित सिक्योरिटी जोन या बफर जोन इस्राइल और गाजा की सीमा पर बनाया गया है, जिसमें गाजा की काफी जमीन नो मेंस लैंड में तब्दील हो गई है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने ये भी कहा है कि गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी उनके सैनिक अनिश्चिकाल तक तैनात रहेंगे।

### गाजा के 10 प्रतिशत हिस्से पर इस्राइल का कब्जा

गौरतलब है कि जिस कथित सिक्योरिटी या बफर जोन में इस्राइली सैनिक तैनात हैं, वह गाजा के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10 प्रतिशत है। इस बफर जोन के जरिए इस्राइल ने पूरे गाजा को चारों तरफ से घेर लिया है और बफर जोन से लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा है कि अगर हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो इस्राइली सेना गाजा में अपने ऑपरेशन और सघन करती चली जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे गाजा और छोटा और अलग-थलग पड़ जाएगा।

काट्ज ने कहा कि पहले की तरह इस्राइली सेना जब्त इलाकों को इस बार खाली नहीं करेगी और दुश्मनों और इस्राइल के बीच के बफर जोन में तैनात रहेगी। इस्राइली सेना ने लेबनान के कुछ इलाकों से भी अपने सैनिक हटाने से इनकार कर दिया है। इसी तरह सीरिया में भी इस्राइल ने बफर जोन बना लिया है। इस्राइल की सरकार का कहना है कि 7 अक्तूबर 2023 जैसे हमले रोकने के लिए इस्राइली सेना का इन बफर जोन इलाकों में तैनात रहना जरूरी है।

**मालदीव में इस्राइली नागरिकों की एंट्री पर लगी रोक** : मालदीव की सरकार ने इस्राइल पासपोर्ट धारकों के मालदीव में एंट्री करने पर रोक लगा दी है। मालदीव की सरकार ने गाजा युद्ध के विरोध में यह कदम उठाया है। इस्राइली नागरिकों की एंट्री रोकने के लिए मालदीव की सरकार ने अपने अप्रवासन कानून में बदलाव किए।।

# अमेरिका में भारतीय छात्र सहित 4 छात्रों ने किया निर्वासन के खिलाफ मुकदमा, वीजा रद्द करने पर उठाए सवाल

**अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक भारतीय और तीन अन्य छात्रों ने अपने स्टूडेंट वीजा को बिना सूचना के अचानक रद्द किए जाने के खिलाफ संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। इन छात्रों में भारत के चिन्मय देवरे, चीन के दो छात्र जियांगयुन बु और क्यूई यांग और नेपाल के योगेश जोशी शामिल हैं। इन सभी छात्रों ने अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएसएस) और आव्रजन विभाग (आईसीई) के खिलाफ यह मामला दायर किया है**

**मिशिगन ।** उनका कहना है कि अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की निगरानी करने वाला एएश्क्र सिस्टम में उनका वीजा स्टेटस बिना किसी उचित सूचना और कारण के अवैध रूप से रद्द कर दिया गया। चारों छात्रों ने ठोका मुकदमा अमेरिका में पढ़ने गए चारों चात्रों ने स्टूडेंट वीजा अचानक के रद्द करने के खिलाफ दायर मुकदमा में कहा है कि उन्हें वीजा रद्द होने से पहले कोई नोटिस या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर किसी भी प्रकार का अपराध या आव्रजन कानून का उल्लंघन नहीं हुआ है। न ही वे किसी राजनीतिक गतिविधि में शामिल रहे हैं। साथ ही छात्रों ने ये भी कहा कि कुछ छात्रों को मामूली ट्रैफिक चालान या चेतावनी मिली थी, जिसे वीजा रद्द करने का आधार नहीं बनाया जा सकता।



छात्रों की मदद कर रही एसीएलयू का बयान वहीं इन छात्रों की मदद कर रही संस्था अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन मिशिगन (एसीएलयू) ने कहा कि यह कार्रवाई गैरकानूनी और अन्यायपूर्ण है। मामले में एसीएलयू की वकील रामिस वदूद ने कहा कि सरकार की ये कठोर और गलत नीतियां सिर्फ छात्रों के जीवन को ही प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि अमेरिका की शिक्षा प्रणाली की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय छात्र अमेरिका आने से हिचक सकते हैं। बता दें कि अचनाक वीज रद्द करने का मामले में मिशिगन ही नहीं, न्यू हैम्पशायर, इंडियाना और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों में भी इसी तरह के केस दायर किए गए हैं। ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर सवाल गौरतलब है कि यह मामला उस समय सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों की वजह से अमेरिका में पढ़ रहे हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभावित हो रहे हैं। कई छात्रों को अचानक वीजा खत्म होने या डिपोर्टेशन का सामना करना पड़ा है, जिससे उनकी पढ़ाई अधूरी छूट जाने का डर है। साथ ही उन्हें किसी भी वक्त हिरासत में लिए जाने या निर्वासित किए जाने का भी डर है।

# बरसात से पूर्व निगम करा रहा है 9 प्रमुख नालों का निर्माण

## अधिक जल भराव क्षेत्रों को चिन्हित कर, जल निकासी को सरल बनाने में जुटा निगम : नगर आयुक्त

### जल भराव की समस्या से शहर को मिलेगी निजात

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर आयुक्त द्वारा बरसात से पूर्व जल निकासी को सुचारु बनाए रखने के लिए प्लान करते हुए 9 प्रमुख नालों के निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया है जिन पर तेजी से कार्य निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। शहर के पांचों जोन अंतर्गत इन प्रमुख नालों का निर्माण हो रहा है जिसमें विजयनगर अंतर्गत दो प्रमुख नाले बनाए जा रहे हैं। मोहन नगर जोन अंतर्गत चार प्रमुख नाले बनाए जा रहे हैं। वसुंधरा जोन अंतर्गत एक प्रमुख नाला बनाया जा रहा है। कवि नगर जोन अंतर्गत एक प्रमुख नाला बनाया जा रहा है। सिटी जोन अंतर्गत एक प्रमुख नाला बनाया जा रहा है।

मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी द्वारा बताया गया कि महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देशानुसार 15वें वित्त के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कार्यों को रफ्तार से कराया गया है जिसमें बरसात से पूर्व जल निकासी को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। विजयनगर जोन वार्ड संख्या 25 अंतर्गत बाईपास से राठी रोड पर बालाजी स्वीट तक आरसीसी नाले का निर्माण चल रहा है। इसी क्रम में मेडिकल तिराहा एवं दव चौक से अंबेडकर पार्क तक वार्ड संख्या 15 में नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। मोहन नगर जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 28 मोहन नगर मंदिर के सामने कटोरी मिल, वार्ड संख्या 64 एयर फोर्स बाउंड्री से सिकंदरपुर तक तथा वजीराबाद रोड तक नाला निर्माण का कार्य चल रहा है।

वार्ड संख्या 38 अर्थला आनंद इंडस्ट्रियल एरिया था बंसल वायर तक नाला निर्माण का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में वार्ड संख्या 73 के अंतर्गत एकता पुलिया से सर्वोदय पब्लिक स्कूल तक रिटेनिंग वॉल का कार्य किया जा रहा है। वसुंधरा जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 54 कनवानी पुलिया के आसपास वसुंधरा सेक्टर 1 के कट तक नाला निर्माण चल रहा है। कवि नगर जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 46 दुहाई औद्योगिक क्षेत्र में पांचाल धर्म कांटे तक नाला निर्माण चल रहा है। सिटी जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 50 नूर नगर में जया मेडिकल स्टोर से करेला मार्केट तक आरसीसी नाला निर्माण कार्य चल रहा है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि शहर में कहीं भी जल भराव की स्थिति ना हो जिसको ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा 9 प्रमुख नालों का निर्माण कार्य तेजी से करा रहा है। अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग लगातार की जा रही है। जनहित में बेहतर कार्य हो लगातार निर्माण विभाग के अधिकारी मौके पर बने हुए हैं। बरसात से पूर्व प्रमुख 9 नालों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा अन्य ऐसी स्थान जहां पर जल भराव की स्थिति बनी रहती है उनको चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। समस्या का समाधान त्वरित कार्यवाही के अंतर्गत कराया जा रहा है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर हित में लगातार कार्य किया जा रहे हैं जिसके क्रम में योजना बनाते हुए जल निकासी सुचारु रहे कार्यवाही तेजी से की जा रही है जो की सराहनीय है।

# नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने 'संभव' के अंतर्गत की जनसुनवाई

## प्राप्त हुए 10 संदर्भ, अविलंब कार्रवाई के दिए निर्देश

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा संभव के अंतर्गत जनसुनवाई की जिसमें 10 संदर्भ प्राप्त हुए। अधिकांश संदर्भ स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त हुए जिन पर स्वास्थ्य विभाग टीम के द्वारा तत्काल कार्रवाई कराई गई। मौके पर सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे जिनके द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रकरणों पर कार्रवाई की गई। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार तथा संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश भी उपस्थित रहे।

डॉ. संजीव मुख्य कर निर्धारण अधिकारी द्वारा बताया गया कि संभव के अंतर्गत निर्माण विभाग से एक संदर्भ स्वास्थ्य विभाग से तीन संदर्भ, उद्यान विभाग से एक संदर्भ, संपत्ति विभाग से एक संदर्भ, टैक्स विभाग से एक संदर्भ, जलकल विभाग से दो संदर्भ, अतिक्रमण संबंधित एक संदर्भ प्राप्त हुआ जिन पर नगर आयुक्त के निर्देशानुसार अविलंब कार्रवाई कराई गई।

पटेल नगर, लोहिया नगर, नंदग्राम तथा वैशाली से अधिकांश संदर्भ प्राप्त हुए। मौके पर वार्ड संख्या 24 के पार्षद द्वारा भी अपने क्षेत्र की समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा जिसमें अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को अवगत कराया गया। बृज विहार क्षेत्र के निवासियों ने भी ग्रीन बेल्ट व्यवस्थित करने के लिए अपने विषय को रखा गया जिस पर नगर आयुक्त द्वारा विभागों को संयुक्त रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा वैशाली क्षेत्र से सड़क बनाने की मांग की गई तथा सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा पार्कों की सफाई के लिए भी संदर्भ प्राप्त हुए।

# सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया

## शहर विधायक संजीव शर्मा की विधायक निधि से हो रहे हैं विकास कार्य, शहर को आदर्श शहर बनाने के अभियान में जुटे हैं विधायक संजीव शर्मा

**गाजियाबाद में बहाई जा रही है विकास की गंगा : अतुल गर्ग**

**करंट क्राइम।** सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसी के तहत गाजियाबाद में विकास की गंगा बहाई जा रही है। विधायक संजीव शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास का जो संदेश दिया, वह उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साकार हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश में जितना विकास हो रहा है, उतना विकास इससे पहले कभी नहीं हुआ। चुनाव से पहले उन्होंने जनता से हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराकर शहर को आदर्श शहर बनाने का जो वादा किया था, उस वादे को पूरा करने के लिए वे जुट गए हैं। इसी के तहत पूरे शहर में विकास कार्य किए जा रहे हैं और आज सांसद अतुल गर्ग ने अनेक विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** विधायक संजीव शर्मा शहर के निवासियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर गाजियाबाद को आदर्श शहर बनाने के अभियान में जुटे हैं। अभियान के तहत बुधवार को उन्होंने सांसद अतुल गर्ग के साथ कई निर्माण कार्यो का उद्घाटन किया। ये निर्माण कार्य विधायक संजीव शर्मा अपनी विधायक निधि से करा रहे हैं।

सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने वार्ड संख्या 22 सूर्या इंकलैव में मेन गेट टी प्वाइंट से अजय चौधरी के मकान तक इंटरलॉकिंग टॉयल्स के कार्य। वार्ड संख्या 2 में राहुल विहार में वर्मा के मकान से ओमवती के मकान तक सीसी रोड के निर्माण कार्य। वार्ड संख्या 2 में राहुल विहार राकेश पंडित के मकान से संतोष के मकान तक सीसी रोड का निर्माण कार्य। वार्ड संख्या बहरामपुर अकबरपुर में हिमांशु पाल के मकान से बालकिशन यादव के मकान तक सीसी रोड के निर्माण कार्य। वार्ड संख्या 51 में काशीराम आवास योजना में गेट संख्या 2 से गेट संख्या 3 तक काली रोड एवं दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइलस का कार्य। वार्ड संख्या 51 में काशीराम आवास योजना में गेट संख्या 3 से गेट संख्या 4 तक काली रोड एवं दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइलस का कार्य। वार्ड संख्या 51 में काशीराम आवास योजना में गेट संख्या 4 से गेट संख्या 5 तक काली रोड एवं दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइलस का कार्य। वार्ड 14 सेक्टर 9 विजयनगर में जी 149 से जी 163 तक डेरा रोड के कार्य का उदघाटन किया।

# कांग्रेस का डीएम कार्यालय पर मोदी सरकार और ईडी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** कांग्रेस जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद एवं महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद में संयुक्त रूप से डीएम कार्यालय पर मोदी सरकार और ईडी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया। देशव्यापी आह्वान के तहत सुबह यहां कलेक्ट्रेट पर भारी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए। मोदी सरकार और उनकी ईडी के खिलाफ उबाल खाए कांग्रेस जन यहां से जुलूस के रूप में जोरदार नारेबाजी करते हुए डी एम ऑफिस पहुंचे। कांग्रेस ने डीएम ऑफिस पहुंचकर धरना दिया। यहां जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने मोदी सरकार को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वो चाहे जितने केस अपनी ईडी से कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ लगवा दें, हमारे नेता डरने वाले नहीं। उनके लिए एक एक कार्यकर्ता जान की बाजी लगा देगा। पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड में एक पैसे का लेनदेन नहीं हुआ। फिर भी मोदी ने अपनी ईडी को आगे करके सोनिया और राहुल के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट लगवा दी।

पूर्व प्रदेश महासचिव बृजेंद्र यादव ने चेताया कि मोदी की तानाशाही के खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो जेलें भर देंगे लेकिन हमारे नेता ना डरेंगे और ना झुकेंगे। पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. संजीव शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ मोदी की ईडी की चार्जशीट की कड़ी निंदा की पूर्व महिला जिला अध्यक्ष कमलेश कुमारी एडवोकेट, प्रवक्ता अजय वर्मा, पूर्व प्रदेश सचिव नरेंद्र राठी, वीर सिंह चौधरी आदि ने भी मोदी सरकार और उनके ईडी कार्रवाई की कड़ी निंदा की और तानाशाही से बाज आने को चेताया।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने मोदी सरकार और ईडी को अपनी हताशा में कांग्रेस से टकराव छोड़ने की चेतावनी दी। किसानों की वेब सिटी की समस्याओं में उनके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। जबकि जिलाधिकारी के यहां आज का वेद स्थित गांव के किसानों का प्रशासन के द्वारा वार्ता का समय दिया गया था उसके बावजूद उन्हें मिलने से मना किया जा रहा था लेकिन जब नारेबाजी होने लगी तो उन सभी किसानों को जिलाधिकारी कार्यालय में बुला लिया गया वार्ता के लिए। धरना प्रदर्शन में आशुतोष गुप्ता, कांग्रेस पार्टी मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा, सेवा दल अध्यक्ष मेजर बाबू साहेब, हरिओम गुप्ता, सविता गौतम, बबलू भाई, अजय कुमार, पंकज तेजनिया, जिला यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आसिफ सैफी, अकबर चौधरी, युनुस, रविशंकर सूर्यकांत, निजामुद्दीन अल्वी, अन्यत कुमार, सलीम, सदमान, देवेंद्र शर्मा, जगदीश सैनी, सूर्य कांत, चंद्रपाल , इरफान नेता, भारती, सुरेंद्र शर्मा, बबलू शर्मा, ब्रह्मदत्त दुबे, नानक चंद्र, ओमदत्त गुप्ता, महेंद्र गौतम, राजीव गुप्ता, अनुज चौधरी, प्रेम प्रकाश चीनी, किशन पाल सिंह, इस्लाम, शाहरुख, अहसान मेवाती, सतीश शर्मा, राजीव शर्मा, उमेश त्यागी, अशोक कुमार, उदय पाल , अश्विनी त्यागी आदि मौजूद रहे ।

# यूपी सरकार और पुलिस प्रशासन का फेलियर है वाराणसी रेप कांड : फैसल हुसैन

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** जिला अध्यक्ष जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी फैसल हुसैन ने कहा कि वाराणसी में 19 वर्षीय लड़की के साथ 23 लड़कों ने 6 दिनों तक अलग-अलग जगह पर हैवानियत की है जिसकी जिम्मेदार उत्तर प्रदेश की सरकार और पुलिस प्रशासन है। सालों से चल रहे मनोहर गुप्ता सेक्स रैकेट जो कि थाना लालपुर की मिलीभगत से था। उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के 6 अन्य राज्यों में भी मनोहर गुप्ता सेक्स रैकेट की ब्रांचेस थी। सब कुछ पुलिस की मिलीभगत से होता रहा। अगर पुलिस की मिली भगत ना होती तो यह सेक्स रैकेट इस तरह से नहीं चल रहा होता। लड़की को रात के समय उसके ही दोस्त राज विश्वकर्मा ने अपने प्रेम जाल में फंसा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाकर सेक्स रैकेट को सौंप दिया जिससे कि उसके साथ 22 अन्य लड़कों ने हैवानियत की यह निंदनीय है और इसकी जिम्मेदार पूरी तरह से उत्तर प्रदेश की सरकार और पुलिस प्रशासन है।

# पीएम मोदी और अमित शाह के नेतृत्व से पार्टी और देश का संपूर्ण विकास हो रहा है : पवन सहलोत

**गाजियाबाद, करंट क्राइम।** जिला पंचायत सदस्य भाजपा पवन सहलोत ने कहा कि मोदी और अमित शाह के कुशल नेतृत्व से आज भाजपा पार्टी और देश का संपूर्ण विकास हो रहा है। आज भाजपा भारत की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली पार्टी बन गई है। सदस्यता के हिसाब से आज भाजपा पार्टी देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। चुनाव एक युद्ध है यह केवल एक चुनावी जुमला नहीं है। इस युद्ध के दो सबसे बड़े योद्धा नरेंद्र मोदी और अमित शाह इस पर भरपूर अमल करते हैं। आज इन्हीं दोनों के नेतृत्व से भाजपा और पूरा प्रशासन सही दिशा में कार्य करके देश को आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं।

## चिन्टू जी

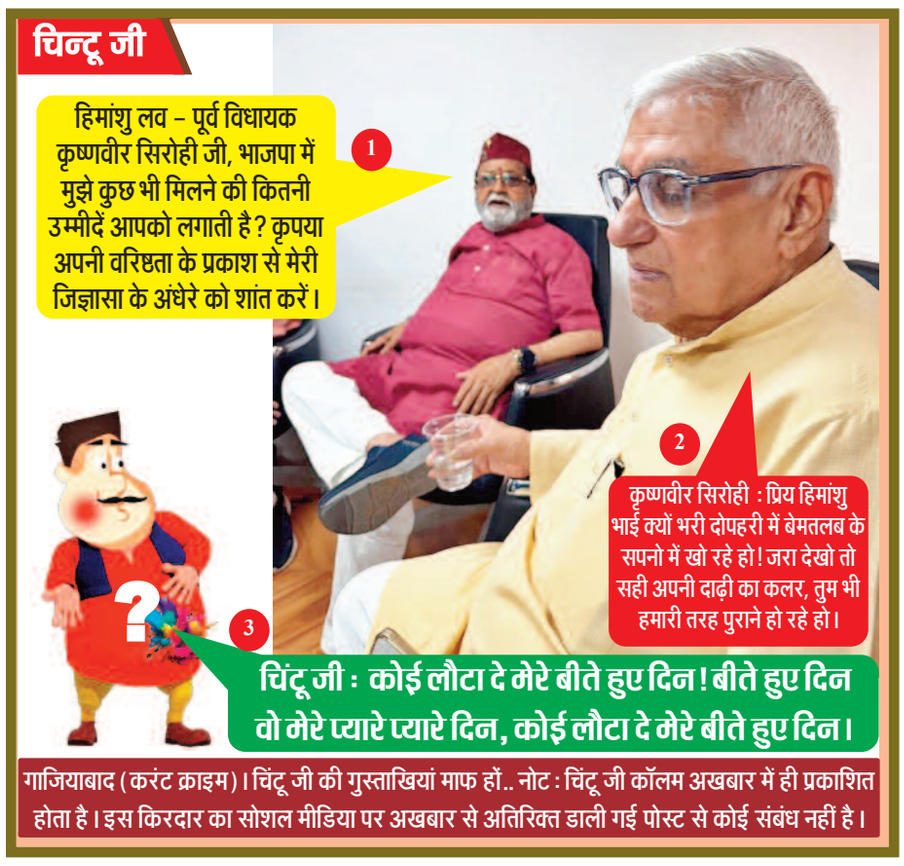


गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे मंच पर मौजूद, हमने यहां पर एक मोहब्बत वाली बात की मौके पर ही महसूस? जैसे ही मंच पर हुई मंत्री सुनील शर्मा की एंट्री, वैसे ही विधायक अजीतपाल त्यागी ने मारी उनको आवाज? आवाज देकर बिठा लिया उन्होंने मंत्री जी को अपने पास? कहने वाले ने कहा- कभी-कभी छोटे-मोटे इशारे भी दे देते हैं बड़ा संदेश? करा देते हैं एहसास, कौन किसके लिये लेकर चल रहा है अपने दिल में स्पेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कमांडर के दोस्त पहलवान आजकल संगठन से दूरी बनाकर चल रहे हैं श्रीमान? बावजूद इसके उनके मन में पार्टी के कार्यक्रमों सफल करने में रहता है ध्यान? हमने देखा-भगवा योद्धा ने उनसे किया था बाबा साहब की मीटिंग में भीड़ लाने का हल्का सा इशारा? इसके बाद पहलवान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा दोबारा? सुना है वो कार्यक्रम में 100 लोगों की भीड़ लेकर गए अपने साथ? करा दिया कराने वालों को अपनी संगठनात्मक क्षमता का फिर से एहसास?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बहुत ही सुंदर तरीके से कालका गढ़ी चौक पर युवा मोर्चा वाले डेढ़ा भैया ने सजाया हुआ था डिप्टी सीएम के स्वागत का प्रोग्राम? भीड़ जुटाने का भी उन्होंने किया हुआ था पूरा इंतजाम? तभी इस माहौल में भाजयुमो के दो चौधरियों के बीच में हो गया विवाद? दोनों ओर से सुनाई दे रही थी बहुत तेज आवाज? सुना है ये नज़ारा देखकर डेढ़ा भैया हो गए बहुत ज्यादा नाराज? सुना है उन्होंने दोनों को सुना दिया कार्यक्रम से वापस जाने का फरमान? डेढ़ा भैया के तेवर देखकर दोनों चेहरों ने तुरंत बदल लिया अपने लड़ाई का प्रोग्राम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम कहीं बैठे थे और सुन रहे थे क्रांतिकारी जनप्रतिनिधि के समर्थकों के मुख से बात? वो कह रहे थे, पहला एपिसोड कंप्लीट हो गया, अब हमारे नेता दूसरे एपिसोड पर फोकस करेंगे बेहिसाब? सुना है उनके अब टारगेट पर हैं क्रांतिकारी क्षेत्र के एक नेता? इन नेता को लेकर बार-बार आ रहे हैं हमारे नेता के मन में बहुत सारे विचार? आज नहीं तो कल देखना एक और क्रांति होगी? बस आपको रहना है इस अगले एपिसोड को देखने के लिये तैयार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बाबा साहब के कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में डिप्टी सीएम के आने का हो रहा था इंतजार? तभी कुछ तेज आवाजें सुनाई दीं, जिसको सुनकर हम चले गए बाहर? हमने देखा भगवा पहलवान ने गदर वाला लुक किया हुआ था तैयार? वो पुलिस वालों से ले रहे थे जमकर लोहा? कह रहे थे, कार्यकताओं को लेकर मैं बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करूंगा आपका व्यवहार? उनके तेवर देखकर कार्यकताओं ने ली राहत? सबने खुलकर कहा- ये है वो नेता जो हमसे रखता है हकीकत में चाहत?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम ये बिल्कुल मान रहे हैं कि ऑडिटोरियम में बाबा साहब का कार्यक्रम हुआ बहुत ही ज्ञानदार? हमें ये भी पता है कि भगवा योद्धा की मेहनत से इस आयोजन में भीड़ जुटी अपार? मगर जब हमारी पड़ी मंच पर नजर, तब आया हमारे दिल में विचार? हम देख रहे थे जो पड़ी हुई थीं मंच पर मुर्सियां? उन कुर्सियों पर भाजपा के किसी दलित नेता के हो रहे थे दीदार? बस मंच संचालन में गौतम जी को देखकर हमारे दिल को मिल रहा था सुकून? कहने वाले ने कहा-अगर एक कुर्सी भाजपा के दलित नेता की भी डाल दी जाती तो बाबा साहब के समर्थकों में पार्टी को लेकर और भी बढ़ जाता जुनून?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि चाबी खो जाने वाले भाजपा नेता तक पहुंचा दो हमारा संदेश? अभी जितना वो सोच रहे हैं, उतना मजबूत नहीं हुआ है उनका बेस? उनको लेकर किसी ने मुराद पूरी करने वाले एरिया में कही है किसी से कोई गहरी बात? मामला दो विधाकों से जुड़ा है किससे में मंच और माइक दोनों हैं साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि समझदार को इशारा है काफी? जो समझदार होते हैं, वो बेमतलब में भी मांग लेते हैं माफी? हम देख रहे हैं पार्टी के कार्यक्रमों के सभी सीन? इन सीनों में से तीनों महान मंत्री दिख रहे हैं आउट? सुना है एक महामंत्री अपने दर्द-ए-दिल का जिक्र कर रहे थे कहीं पर बयां? कह रहे थे, उन्होंने तो हमें खेलने से पहले ही कर दिया है आउट? वो बोले- हम दिल में दबाकर बैठे हैं सारा दर्द? हस्तिनापुर की तरह पार्टी से जुड़े हैं, इसलिये अपनी आवाज को नहीं कर सकते लाउड?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आप हमारा विधायक जी तक पहुंचा दो संदेश? उनके आसपास नजर आने वाले कुछ चेहरे पकड़ रहे हैं जमीनों वाले केस? सुना है वो कोलोनाइजर वालों के पास जाते हैं और उनको गिनाते हैं कमियां बेहिसाब? इन कमियों को गिनाने के पीछे छुपा होता है बड़ा वाला हिसाब? कहने वाले ने कहा- विधायक जी को इस बात पर देना होगा ध्यान? उनको पता भी नहीं है पर ये चेहरे इस्तमाल कर रहे हैं उनका नाम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आप कर दो एक विधायक जी को अलर्ट? एक अग्रवाल साहब उनकी विधानसभा पर कर रहे हैं फोकस? इसलिये विधायक जी को हो जाना चाहिए चौकस? सुना है धीरे-धीरे, होले-होले अग्रवाल साहब अपने दिल के अरमान पार्टी के प्रमुख चेहरों तक पहुंचा रहे हैं श्रीमान? अभी से उन्होंने लगाना शुरू कर दिया है इस विधानसभा पर ध्यान? फिर विधायक जी हमसे मत कहना कि हमने आपको अलर्ट नहीं किया था श्रीमान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

## पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समरकूल चेयरमैन संजीव गुप्ता के लिए ये तारीख कुछ खास है। इस दिन संजीव गुप्ता 7 फेरों के साथ सफल सुखद और खुशहाल वैवाहिक जीवन यात्रा के पथ पर चले थे। आज खुशी के इस पथ पर दोनों एक दूसरे का हाथ थाम कर अपनी 33वीं मैरिज ऐनीवर्सरी मना रहे हैं। संजीव गुप्ता ने जीवन साथी के लिए बहुत ही प्यारे शब्द लिखे और इसे फेसबुक पर साझा किया। संजीव गुप्ता की यह पोस्ट बनी करंट पोस्ट ऑफ द डे।